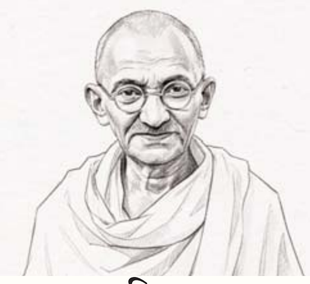

सुविचार
भूल करने में पाप तो है ही,
परन्तु उसे छुपाने में उससे भी
बड़ा पाप है।
-महात्मा गांधी

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-195 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 12 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मोदी ने भारत को बताया वैश्विक स्थिरता का केंद्र, पुतिन ने पश्चिमी प्रतिबंधों पर साधा निशाना

ब्रिक्स व्यापार मंच में बोले दोनों नेता, मोदी ने कहा-सुरक्षित समुद्री मार्ग और खुले आपूर्ति मार्ग वैश्विक व्यापार के लिए जरूरी; पुतिन ने न्यायसंगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था पर दिया जोर

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले शुक्रवार को आयोजित ब्रिक्स व्यापार मंच को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संबोधित किया। दोनों नेताओं ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत को विकास और स्थिरता का मजबूत केंद्र बताया, वहीं राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिमी देशों की नीतियों और प्रतिबंधों पर तीखा हमला बोला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया इस समय अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, इसके बावजूद भारत लगातार विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत विकास और स्थिरता के लिए विश्वास का मजबूत स्रोत बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने भारत के वैश्विक विनिर्माण और नवाचार के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए नया मंत्र दिया—'भारत में बनाएं, भारत के साथ नवाचार करें और दुनिया के लिए पैमाना तय करें।' उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका को लगातार मजबूत कर रहा है और दुनिया के साथ साझेदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।वैश्विक व्यापारिक मार्गों पर बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार तभी आगे बढ़ सकता है, जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति मार्ग खुले रहें और नाविक सुरक्षित हों। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया भर में व्यापारिक बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत आर्थिक पुलों का निर्माण कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ब्रिक्स इस वर्ष अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रहा है और इसके व्यापक परिवार में अब 21 देश शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की करीब 50 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में उनकी हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में करीब 20 प्रतिशत है। उन्होंने ब्रिक्स देशों से अपनी सामूहिक क्षमता को वैश्विक समाधान में बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स को अपनी महत्वाकांक्षाओं को ठोस कार्रवाई में बदलना चाहिए और अपनी सामूहिक ताकत का उपयोग दुनिया की प्रगति के लिए करना चाहिए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों की आर्थिक नीतियों और प्रतिबंधों पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिमी देश प्रतिबंधों और अवैध वित्तीय बाधाओं के जरिए वैश्विक अर्थव्यवस्था को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुतिन ने कहा कि ऐसे कदमों से पश्चिमी देश स्वयं अपनी साख खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का लगातार बढ़ता दायरा इस बात का प्रमाण है कि दुनिया अब किसी एकतरफा दबाव के आगे झुकने वाली नहीं है। राष्ट्रपति पुतिन ने सात देशों के समूह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत रही है, जबकि तथाकथित सात देशों के समूह की हिस्सेदारी करीब 29 प्रतिशत रही।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में यात्री परिवहन विज़न समिट : 2026 में एमपीवायपीआईएल की लेट्स क्रिएट ए लोगो प्रतियोगिता के तृतीय पुरस्कार विजेता भोपाल की गौरांगी शर्मा को सम्मानित किया।

लो-प्रेशर सिस्टम से देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में बारिश होने के आसारः आईएमडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा तथा उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर निम्न दबाव का एक सक्रिय क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में देश के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। मौसम तंत्र के धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने के कारण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में भी बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। दोपहर के समय कई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान बिजली चमकने और गरजने की भी संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।हरियाणा और पंजाब के कुछ इलाकों में भी कहीं-कहीं बारिश हो सकती है, हालांकि इन राज्यों में भारी बारिश की कोई बड़ी संभावना नहीं है।

जहरीली शराबकांड-मुख्य आरोपी को पैर में गोली मारकर पकड़ा

सागर (आरएनएस)। जहरीली शराब मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी रवि लखेरा को पकड़ लिया गया। बरायठा के जंगल में पुलिस और रवि के बीच फायरिंग हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी रवि को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। इस

पर 20 हजार का इनाम था। एसपी अनुराग सुजानिया ने पुष्टि की है।इससे पहले प्रशासन ने गुरुवार को 3 आरोपियों के 5 मकानों के अवैध हिस्सों पर बुलडोजर चलाया था। इनमें आरोपी मनीष लोधी, करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष चंद्रभान सिंह राजपूत और आशीष साहू के निर्माण शामिल हैं।वहीं, पुलिस ने अब तक 33 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें रवि लखेरा समेत 18 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। एक आरोपी की मौत हो चुकी है, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है। मामले में अभी 13 आरोपी फरार हैं।एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया कि आरोपी रवि लखेरा की लोकेशन बरायठा के जंगल में यूपी बॉर्डर के पास खैवाहा गांव में मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो रवि अपने दो साथियों के साथ बाइक से भागने लगा।

तिरुमाला मंदिर में चढ़ावे का नया रिकॉर्ड, एक दिन में 6.93 करोड़ रुपये हुंडी में आए, वीआईपी ब्रेक दर्शन कैंसिल

तिरुमाला, (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी को चढ़ाए जाने वाले हुंडी चढ़ावे ने नया रिकॉर्ड बनाया है। गुरुवार को मंदिर की हुंडी में रिकॉर्ड 6.93 करोड़ रुपये का चढ़ावा प्राप्त हुआ। मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने दर्शन व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह से आधी रात तक हुंडी में जमा हुए चढ़ावे की गिनती के बाद कुल राशि 6.93 करोड़ रुपये सामने आई। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के इतिहास में यह केवल चौथा अवसर है, जब एक ही दिन में हुंडी चढ़ावा 6 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का मंगल आरंभ 25 सितंबर से : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 का किया शुभारंभ

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में इसी महीने 25 सितंबर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का मंगल आरंभ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के नागरिकों को सुगम, सरल, सुरक्षित, आधुनिक और भरोसेमंद बस सेवा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है और इस लक्ष्य की पूर्ति में हम 25 सितम्बर से नया कदम बढ़ाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में 5 लाख किलोमीटर का रोड़ नेटवर्क है। यहां 15 हजार से अधिक बसें चलाने का स्कोप है। हमारे नागरिकों के अलावा प्रदेश में हर साल करोड़ों की संख्या में आने वाले पर्यटकों और श्रृद्धालुओं द्वारा भी आवागमन के लिए बस का उपयोग किया जाता है। यह हमारे लिए चुनौती के साथ ही एक बड़ा अवसर भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निजी बस आपरेटर्स, बस निर्माता कंपनियों, इंडस्ट्री पार्टनर्स और स्टेकहोल्डर्स से अपील करते हुए कहा कि बदलते समय में मप्र में बढ़ते अवसरों को पहचाने और प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए सरकार के साथ जुड़ें। प्रदेश में यात्रियों के हित में एक ऐसा फाईनेस्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट माडल तैयार करें, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण बने। मुख्यमंत्री डॉ यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 स्मारिका और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पुस्तिका का विमोचन

किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन तक आम नागरिकों की पहुँच को अधिक सुगम बनाने और फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी के लिए MPYPIL और Rapido के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने MPYPIL की 'लेट्स क्रिएट ए लोगो' प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। सासाराम (बिहार) के सुधाकर कुमार को 5 लाख रुपये राशि के प्रथम पुरस्कार, दिल्ली के चयन वोहरा को 2 लाख रुपये के द्वितीय सांत्वना पुरस्कार और भोपाल की सुश्री गौरांगी शर्मा को 1 लाख रुपये राशि के तृतीय सांत्वना पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। प्रदेश में स्मार्ट, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी इकोसिस्टम के निर्माण में प्रदेश के नागरिकों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और नवप्रवर्तकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर एमपी मोबिलिटी इनोवेशन चैलेंज 2026 का शुभारंभ किया।

दिल्ली भाजपा ने अनुशासनहीनता पर की कार्रवाई, हितेंद्र त्यागी पद से हटे; सत्यदेव चौधरी बने नए जिला महामंत्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उत्तर-पूर्वी जिले के महामंत्री हितेंद्र त्यागी को उनके पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। यह कार्रवाई दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के निर्देश पर की गई है। पार्टी नेतृत्व ने हितेंद्र त्यागी की जगह सत्यदेव चौधरी को उत्तर-पूर्वी जिले का नया जिला महामंत्री नियुक्त किया है।

जानकारी के अनुसार, हितेंद्र त्यागी के खिलाफ पिछले कुछ समय से दुर्व्यवहार और मनमानी को लेकर शिकायतें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच रही थीं। हाल ही में सामने आई तीन गंभीर शिकायतों के बाद पार्टी की अनुशासन समिति ने मामले पर विचार किया और पद से हटाने की सिफारिश की। इसके बाद प्रदेश नेतृत्व ने कार्रवाई करते हुए उन्हें महामंत्री पद से तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया।

हितेंद्र त्यागी को पद से हटाए जाने के साथ ही संगठन ने उत्तर-पूर्वी जिले में नए महामंत्री की नियुक्ति भी कर दी है। पार्टी नेतृत्व ने सत्यदेव चौधरी को उत्तर-पूर्वी जिले का नया जिला महामंत्री नियुक्त किया है। नई नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, संगठन में पदाधिकारियों के आचरण और अनुशासन को लेकर नेतृत्व लगातार सख्ती बरत रहा है। ऐसे में उत्तर-पूर्वी जिले में अचानक किया गया यह बदलाव संगठन के भीतर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि, हितेंद्र त्यागी के खिलाफ प्राप्त शिकायतों का विस्तृत ब्यौरा अभी आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किया गया है। पार्टी की ओर से सामने आई जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई अनुशासन समिति की सिफारिश के आधार पर की गई है।

वंदे मातरम विवादः उमर उब्दुल्ला का कांग्रेस पर हमला, कहा- कश्मीरियों को जेल में देखना चाहते?

श्रीनगर, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ गठबंधन दल नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर छिड़ा सियासी विवाद अब तीखा हो गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस द्वारा इस संबंध में दी गई सलाह पर कड़ा पलटवार किया है। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि राष्ट्रगीत का पूरा गायन एक कानूनी और वैधानिक बाध्यता है और इसका पालन न करने पर कश्मीरियों को कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस नेतृत्व को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री उमर ने सीधे तौर पर कहा, उन्हें (कांग्रेस) इसे संसद में ही रोक देना चाहिए था, लेकिन अब कानून बन चुका है और यह एक वैधानिक बाध्यता है।उन्होंने कहा, जहां कहीं भी राष्ट्रगान गाया जाता है, वहां वंदे मातरम का पूरा गायन कानूनी रूप से अनिवार्य है। यह सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं है। यह पूरे देश के लिए है। कांग्रेस शासित राज्यों के सरकारी कार्यक्रमों में भी ऐसा ही होगा।उमर ने कहा, कांग्रेस क्या चाहती है? क्या यह चाहती है कि कश्मीरियों को इस कारण जेल में डाल दिया जाए? यह एक वैधानिक बाध्यता है।

तमिलनाडु के वेल्लोर में निर्माणाधीन चर्च की छत का मचान गिरा, पिता-पुत्र समेत तीन की मौत, 11 घायल

वेल्लोर, (आरएनएस)। तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश सीमा के पास वेल्लोर जिले के मंथीकृष्णपुरम गांव में निर्माणाधीन चर्च की छत का मचान गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 श्रमिक घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की आशंका को देखते हुए राहत एवं बचाव अभियान जारी रखा गया।

जानकारी के अनुसार, काटपाडी के पास मंथीकृष्णपुरम गांव में एक नए चर्च का निर्माण कार्य चल रहा है। गुरुवार, 10 सितंबर को चर्च की छत पर कंक्रीट डालने का काम किया जा रहा था। इस दौरान 30 से अधिक श्रमिक काम में जुटे थे। अचानक छत को सहारा देने वाला मचान भरभराकर गिर गया।

एक अंक की कमी से मेडिकल छात्र का साल बचाने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर (आरएनएस)। सिर्फ एक अंक की कमी के कारण मेडिकल छात्र का एक साल प्रभावित होने के मामले को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज (GRMC) के एमबीबीएस छात्र राम नरेश कुशवाहा की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के चांसलर से जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता ने बताया कि वह एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है और वर्तमान में सेकंड प्रोफेशनल की नियमित कक्षाएं अटेंड कर रहा है। हालांकि प्रथम वर्ष की परीक्षा में महज एक अंक की कमी के कारण उसके सामने आगे की परीक्षा में शामिल होने और शैक्षणिक वर्ष प्रभावित होने का संकट खड़ा हो गया है। छात्र ने हाईकोर्ट से एक अंक ग्रेस मार्क्स के रूप में देने के संबंध में उचित निर्देश जारी करने की मांग की है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष मध्य प्रदेश यूनिवर्सिटीज कॉमन ऑर्डिनेंस नंबर-6 के क्लॉज 32 का प्रावधान रखा गया। इसके तहत चांसलर को असाधारण और कठिन मामलों में ग्रेस मार्क्स देने की विशेष शक्ति होने की बात सामने आई। इस पर कोर्ट ने पूछा कि क्या मेधावी छात्र का एक साल बचाने के लिए उसे एक अंक की ग्रेस देने का प्रावधान लागू किया जा सकता है।

उद्यमियों की सफलता युवाओं की आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरणा : मुख्य सचिव श्री बर्णवाल

मुख्य सचिव ने धार में यशस्वी हितग्राहियों और सफल उद्यमियों से किया संवाद

भोपाल (आरएनएस)। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने शुक्रवार को धार में ''मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026'' के तहत आयोजित ''यशस्वी संवाद एवं उद्यमी संवाद'' कार्यक्रम में यशस्वी हितग्राहियों, उद्यमियों, प्रगतिशील किसानों और खेल प्रतिभाओं से प्रत्यक्ष संवाद किया। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने यशस्वी प्रतिभागियों की सफलता की कहानियां सुनीं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रत्यक्ष संवाद से आत्मनिर्भरता, स्थानीय उद्यमिता, नवाचार और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही शासन और नागरिकों के बीच सहभागिता तथा विश्वास और अधिक सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा केवल अनुदान या ऋण वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, उन्हें रोजगार देने वाला बनाना है। मध्यप्रदेश में एमपी एमएसएमई प्रोत्साहन योजना-2025 एवं एमपी स्टार्ट-अप योजना-2025 के माध्यम से नवाचार को विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है। इस मौके पर विधायक श्रीमती नीना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेडा, अन्य जनप्रतिनिधि, सचिव मुख्यमंत्री डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

संवाद कार्यक्रम में उपस्थित यशस्वी उद्यमियों एवं कृषकों ने अपनी सफलता की कहानी साझा की

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से प्रभांशु पंड्या, धार (उम्र 28 वर्ष, कोशल्यम लर्निंग सॉल्यूशन) ने सॉफ्टवेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित कर 13 युवाओं को रोजगार एवं 50 लाख का टर्नओवर अर्जित करने और उन्हें पीएम एडमिनिस्ट्रेटर पुरस्कार के लिये नामांकित करने के बारे में जानकारी दी। इनके द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को Industrial Development with AI के दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में भी अवगत कराया। इस संवाद में हथकरघा एवं उद्यानिकी क्षेत्र में कार्यरत श्रीमती नेहा जायसवाल, मांडव ने ब्लॉक (बाग प्रिंट) एवं हथकरघा से महिला समूह की महिलाओं को 15 से 18 हजार रूपये प्रतिमाह आय से आत्मनिर्भर बनाने तथा लखन-मोहनलाल पाटीदार, रूपाखेड़ा ने पॉलीहाउस में गुलाब की खेती से 18 लाख प्रति एकड़ लाभ तथा लखन पाटीदार, तिलगारा ने ऑटोमेशन आधारित ब्लूबेरी खेती से 1000 वर्गमीटर में 4.50 लाख की आय अर्जित कर 23 किसानों को प्रेरित करने के बारे में बताया। प्रगतिशील कृषक श्रीमती संगीता भाभर, देवधा ने देशी बीज बैंक में 6 क्विंटल पारंपरिक बीजों का संरक्षण और 234 किसानों को बायो-इनपुट उपलब्ध कराने के बारे में विस्तार से बताया।

उद्यम संवाद में कपिल अग्रवाल, नकुल जोशी, दीपक भारती, बैडमिंटन खिलाड़ी सौरभ वर्मा, मेधावी छात्रा अंशिका सादलपुर, उद्योगपति जेतपुरा के मुजिबुर्रहमान, मलखंब खिलाड़ी जयपाल आदि ने भी अपनी सफलता की कहानी बताते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिय।

रूपाखेड़ा के प्रगतिशील किसान लखन पाटीदार ने की जा रही फूलों की खेती के बारे में बताया और स्वयं द्वारा उत्पादित फूलों का गुलदस्ता भेंटकर मुख्य सचिव श्री बर्णवाल एवं डॉ. खाड़े का स्वागत किया।मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने सभी यशस्वी उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि इनकी उपलब्धियां अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों का सरलीकरण कर प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाए।

साइबर सुरक्षा एवं संवेदनशील डेटा संरक्षण के लिए भोपाल में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण हुआ

भोपाल (आरएनएस) डिजिटल तकनीक के तीव्र विस्तार के वर्तमान दौर में साइबर सुरक्षा, संवेदनशील सूचनाओं के संरक्षण तथा कंप्यूटर संसाधनों की शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मार्गदर्शन में जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी, भोपाल द्वारा एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भोपाल स्थित ई-दक्ष केंद्र में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अंतर्गत साइबर विवाद समाधान ढांचा एवं कंप्यूटर संसाधनों तथा संवेदनशील डेटा का संरक्षण (Cyber Dispute Resolution Framework under the Information Technology Act, w000 and Protection of Computer Resources and Sensitive Data by Body Corporate) विषय पर आयोजित इस प्रशिक्षण में शासकीय तंत्र की कार्यप्रणाली को डिजिटल जोखिमों से सुरक्षित रखने तथा विधिक प्रावधानों की सूक्ष्म समझ विकसित करने पर बल दिया गया। प्रशिक्षण में जिला न्यायालय, जिला अभियोजन कार्यालय, साइबर सेल भोपाल तथा नगरीय पुलिस के साइबर सेल से सम्बद्ध वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को साइबर अपराधों के उभरते स्वरूपों, साइबर विवादों से सम्बद्ध विधिक एवं तकनीकी धाराओं, समाधान की प्रामाणिक प्रक्रियाओं तथा किसी भी साइबर घटना के घटित होने पर उसके त्वरित एवं प्रभावी प्रबंधन के संबंध में विशद एवं अद्यतन जानकारी प्रदान की गई।

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल से बैंक शाखाओं में कामकाज ठप

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को बैंक हड़ताल है। 5 डे वीक वर्किंग यानी, पांच दिवसीय सप्ताह की मांग को लेकर प्रदेश के करीब 40 हजार बैंककर्मी काम नहीं कर रहे हैं। इस कारण आज भोपाल सहित प्रदेश में बैंक शाखाओं के ताले नहीं खुले। एमपी नगर में कर्मचारियों ने प्रदर्शन भी किया। हड़ताल 1 दिन है, लेकिन इसका असर अगले 3 दिन देखने को मिलेगा, क्योंकि शनिवार-रविवार को सरकारी छुट्टी है। यूनाइटेड फॉर्म ऑफ बैंक यूनियंस के बैनरतले यह प्रदेशव्यापी हड़ताल है। इसमें एमपी के बैंककर्मी भी शामिल हुए हैं। हड़ताल का असर सीधे तौर पर जनता पर पड़ रहा है। बैंक बंद होने के कारण चेक जमा नहीं हो रहे हैं, तो क्लियरेंस में भी देरी होगी।

हड़ताल से पहले यूनियंस और सरकार के बीच वार्ता हुई, लेकिन इसमें कोई सकारात्मक हल नहीं निकला। इसके चलते यूनियंस ने हड़ताल पूर्ववत रखी है। 26 से 30 सितंबर तक फिर बैंकों में ताले लगेंगे

सितंबर के अगले 20 दिन के अंदर दूसरी बार हड़ताल 28 से 30 सितंबर तक रहेगी। इससे पहले 26 और 27 सितंबर को शनिवार-रविवार की छुट्टी है। यानी, लगातार पांच दिन तक बैंकों में ताले लग सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर किया नमन

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी, भूदान आंदोलन के प्रणेता, भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि भूमिहीनों को भूमि उपलब्ध कराने के साथ ही सामाजिक समानता के लिए आचार्य भावे ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार लोककल्याण की सदैव प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।

12 सितंबर को आयोजित होगी तृतीय नेशनल लोक अदालत, विद्युत एवं नगर निगम देंगे छूट का लाभ

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर 2026 को जिला न्यायालय भोपाल एवं तहसील न्यायालय बैरसिया में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। पक्षकारों को सुलभ, त्वरित एवं सर्वसमावेशी न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला न्यायालय भोपाल, तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय तथा रेरा सहित संपूर्ण जिले में लगभग 62 समर्पित खण्डपीठों का गठन किया जा रहा है।वर्तमान समय में भोपाल जिले के अंतर्गत विभिन्न न्यायालयों में समस्त श्रेणियों के कुल 1,64,821 मामले विचाराधीन हैं। इन प्रकरणों में से आपसी सहमति और सौहार्द के माध्यम से निराकरण के लिए 10,757 लंबित राजीनामा योग्य मामलों को चिह्नित कर लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

भोपाल का मास्टर प्लान लागू कराने पूर्व मंत्री पीसी शर्मा 31 घंटे के उपवास पर बैठे

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का मास्टर प्लान लागू कराने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने शुक्रवार को रोशनपुरा चौराहे पर 31 घंटे का उपवास शुरू किया। उनके साथ पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, अरुणेश्वर शरण सिंह देव, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीसी शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार के पास भाजपा कार्यालय से जुड़े मास्टर प्लान और वहां हेलीपैड बनाने की योजना पर विचार करने का समय है, लेकिन राजधानी के मास्टर प्लान को लागू करने के लिए इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मास्टर प्लान लंबित होने के कारण भोपाल में अनियोजित विकास और भूमि उपयोग को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है।

2005 के बाद नहीं आया नया मास्टर प्लान

पूर्व मंत्री शर्मा ने कहा कि भोपाल का आखिरी मास्टर प्लान 1995 में लागू हुआ था। नियमानुसार हर दस वर्ष में मास्टर प्लान तैयार किया जाना चाहिए, लेकिन 2005 के बाद नया मास्टर प्लान लागू नहीं हो सका। उन्होंने दावा किया कि कमलनाथ सरकार के कार्यकाल में भोपाल के वर्ष 2031 के मास्टर प्लान का प्रारूप तैयार कर 6-7 मार्च 2020 को प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया होनी थी, लेकिन सरकार बदलने के बाद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान लागू होने से आवासीय, व्यावसायिक और ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों के उपयोग को लेकर स्पष्टता आएगी और राजधानी का विकास नियोजित तरीके से किया जा सकेगा।

मास्टर प्लान से दलालों की भूमिका खत्म होने का दावा

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि मास्टर प्लान लंबित रहने से भवन निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति से जुड़े मामलों में आम लोगों को परेशानी हो रही है। उनका दावा है कि स्पष्ट भू-उपयोग व्यवस्था लागू होने पर अनुमति की प्रक्रिया आसान और पारदर्शी होगी तथा बिचौलियों की भूमिका कम होगी। उन्होंने भोपाल के बाहरी इलाकों में हो रहे निर्माण और अन्य गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मास्टर प्लान में आवासीय, व्यावसायिक और हरित क्षेत्रों का स्पष्ट निर्धारण होने से शहर का विस्तार व्यवस्थित तरीके से किया जा सकता है। पीसी शर्मा ने आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ हो रही सीलिंग कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सरकार से मिक्स लैंडयूज की व्यवस्था को अनुमति देने और नए व्यावसायिक क्षेत्र विकसित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े लोगों की आजीविका प्रभावित नहीं होनी चाहिए। पीसी शर्मा ने कहा कि सीलिंग कार्रवाई से बड़ी संख्या में व्यापारियों और छोटे कारोबारियों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका है।

बैरसिया में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत वृहद जनकल्याण शिविर एवं 'उद्यम संवाद' आयोजित

आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सरकार की प्राथमिकता : प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप शिविर में प्राप्त आवेदनों का एक सप्ताह में निराकरण सुनिश्चित करें सोयाबीन फसल क्षति के पारदर्शी सर्वे के लिए गठित होंगे दल

भोपाल (आरएनएस) । भोपाल जिले की बैरसिया तहसील स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में शुक्रवार को 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026' के अंतर्गत वृहद जनकल्याण एवं जनसमस्या निवारण शिविर और 'उद्यम संवाद' आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शासन की जनकल्याणकारी एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया। भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनहितैषी सोच के अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निराकरण के लिए मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान प्रारंभ किया गया है। सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बिना किसी परेशानी के शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिले। प्रभारी मंत्री श्री कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर अधिकतम एक सप्ताह में उसका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं प्रत्येक शुक्रवार को

आयोजित शिविरों में पहुँचकर अधिकारियों की उपस्थिति में आवेदनों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। जिन आवेदनों का तत्काल निराकरण संभव नहीं है, उनमें आवेदक को कारण एवं संभावित समय-सीमा की स्पष्ट जानकारी दी जाए। प्रभारी मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वर्तमान वर्ष को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मना रही है। सोयाबीन की फसल में हुई क्षति का पारदर्शी सर्वे कराने के लिए शीघ्र ही दलों का गठन किया जाएगा। सर्वे के आधार पर पात्र किसानों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि बैरसिया क्षेत्र में 'प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0' के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों को आवास का लाभ दिलाया जाएगा। श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप सहकारिता एवं दुग्ध संघ को सुदृढ़ करने के साथ खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग और पशुपालन के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

मप्र में स्कूल-कॉलेजों के 50 मीटर दायरे में जंक फूड पर शिकंजे की तैयारी, छह विभाग मिलकर बनाएंगे कार्ययोजना

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में बच्चों के स्वास्थ्य और खान-पान को लेकर बड़ा नीतिगत हस्तक्षेप सामने आया है। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित खाद्य वातावरण को लेकर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों और महाविद्यालयों के परिसरों के साथ-साथ उनके आसपास बिकने वाले अत्यधिक वसा, नमक और चीनी वाले खाद्य पदार्थों यानी हाई फैट, शुगर एंड साल्ट (एचएफएसएस) पर नियंत्रण की पहल की है। आयोग ने शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को पत्र भेजकर शैक्षणिक संस्थानों के परिसर और उनके 50 मीटर के दायरे को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया है।आयोग ने सरकार का ध्यान इस तथ्य की ओर भी दिलाया है कि वह संसद द्वारा अधिनियमित 'बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005' के तहत गठित वैधानिक आयोग है। अधिनियम की धारा 17 में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के गठन का प्रावधान है, जबकि धारा 24 के तहत धारा 13(1), 14 और 15 के प्रावधान राज्य आयोग पर भी लागू होते हैं। धारा 13 आयोग को बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए उपलब्ध संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने, उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपाय सुझाने तथा बच्चों के अधिकार और कल्याण से जुड़े विषय संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष उठाने का अधिकार देती है।

भोपाल में 3 दिन से यात्री बसों की चेकिंग: 2 बसें जब्त, दो के फिटनेस निरस्त; 62 हजार रुपए का जुर्माना

भोपाल (आरएनएस)। यात्रियों की सुरक्षा और बसों में फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच के लिए परिवहन विभाग पिछले 3 दिन से चेकिंग कर रहा है। गुरुवार देर रात करीब 22 यात्री बसों की जांच की गई। इस दौरान परमिट नहीं होने पर दो बसों को जब्त किया गया, जबकि इमरजेंसी एग्जिट बंद मिलने और पैनिक बटन नहीं होने पर दो बसों की फिटनेस निरस्त कर दी गई। शुक्रवार को भी कार्रवाई की जा रही है। रात में भी टीमें मैदान में उतरेंगी। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय और स्टॉफ की टीम ने बसों की परमिट शर्तों, सुरक्षा इंतजाम और फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच की। चेकिंग के दौरान एक यात्री बस क्रमांक एआर-01 क्यू-2925 को परमिट नहीं होने के कारण जब्त किया गया। एक अन्य यात्री बस को भी परमिट नहीं होने पर कार्रवाई की गई।

दो बस के इमरजेंसी एग्जिट बंद मिले

जांच में दो बस में इमरजेंसी एग्जिट बंद मिले। इसके अलावा इनमें पैनिक बटन की व्यवस्था भी नहीं थी। यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए दोनों बसों की फिटनेस निरस्त कर दी गई।

इसके अलावा पांच यात्री बसों में परमिट शर्तों का उल्लंघन और मोटर यान अधिनियम की अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। इन मामलों में कुल 62 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यात्री बसों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की चेकिंग लगातार जारी रहेगी।

भोपाल युवा कांग्रेस ने किया स्वास्थ्य मंत्री के निवास का घेराव, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका, स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर युवा कांग्रेस ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के निवास का घेराव करने का प्रयास किया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और झूमाझटकी की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारी पीसीसी कार्यालय से चार इमली की ओर रवाना हुए थे। पुलिस ने 5 नंबर बस स्टॉप के पास बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कुछ देर प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ता वापस लौट गए। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और दवाइयों की कमी है तथा मरीजों को एंबुलेंस जैसी जरूरी सुविधाओं के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए। घनघोरिया ने रीवा में प्रसूता और नवजात की मौत सहित प्रदेश में सामने आए अन्य मामलों का उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री व्यवस्था को संभालने में सक्षम नहीं हैं तो उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिएयुवा कांग्रेस नेताओं ने सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों और रीवा में प्रसूता व नवजात की मौत के मामले को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

भोपाल में चाकू की नोक पर कपल को लूटा

युवक पर धारदार हथियार से हमला, तीन बदमाशों ने घेरकर IPHONE-15, सोने की चेन-टॉप्स लूटे

भोपाल (आरएनएस) । मनुआभान टेकरी पर गुरुवार रात घूमने गए एक कपल को तीन बदमाशों ने चाकू की नोक पर लूट लिया। बदमाशों ने युवक-युवती को घेरकर उनके पास मौजूद मोबाइल और सोने के जेवर छीन लिए। विरोध करने पर बदमाशों ने युवक पर धारदार हथियार से हमला भी कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।घटना कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित मनुआभान टेकरी पर हुई। युवक ने घटना की शिकायत दर्ज कराई है।

चाकू दिखाकर पहले डराया, फिर सामान छीना

पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक पीड़ित अपनी महिला मित्र के साथ मनुआभान टेकरी पर घूमने गए थे। इसी दौरान तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने चाकू दिखाकर दोनों को डराया और उनके पास मौजूद सामान निकालने को कहा। बदमाशों ने युवक से iPhone-15 और युवती से सोने की चेन व टॉप्स लूट लिए।

लूट के दौरान युवक ने विरोध किया तो बदमाशों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में युवक घायल हुआ है। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से भाग निकले।

अज्ञात आरोपियों पर केस, गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

घटना की सूचना मिलने के बाद कोहेफिजा पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम गठित की गई है।पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि बदमाशों के आने-जाने का रास्ता और उनकी पहचान का पता लगाया जा सके। मनुआभान टेकरी शहर के प्रमुख घूमने वाले स्थानों में शामिल है। यहां शाम के बाद भी लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे स्थान पर कपल को चाकू की नोक पर घेरकर लूटे जाने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

आस्था या चमत्कार : खड़े हनुमान मंदिर के बाहर पहुंचा लंगूरों का झुंड, श्रद्धालुओं में कौतूहल बढ़ा

उज्जैन (आरएनएस)। उज्जैन में सती गेट स्थित खड़े हनुमानजी का मंदिर इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर धरातल तक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। मार्ग चौड़ीकरण की कार्रवाई के बीच टेंट में विराजमान हनुमान जी की प्रतिमा और यहां अचानक पहुंचे लंगूरों के झुंड ने श्रद्धालुओं की आस्था और कौतूहल को और बढ़ा दिया है।

सती गेट क्षेत्र में मार्ग चौड़ीकरण अभियान के तहत मंदिर के ऊपरी ढांचे को हटाया गया है। इसके बाद हनुमान जी की प्रतिमा टेंट में विराजमान है। पिछले चार दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक दावा तेजी से प्रसारित हो रहा है कि प्रशासन की कोशिशों के बावजूद प्रतिमा अपने स्थान से नहीं हिली और वहीं खड़ी रही। इस दावे के वायरल होने के बाद देशभर से श्रद्धालु बाबा के दर्शन और कथित चमत्कार को देखने के लिए उज्जैन पहुंचने लगे हैं। बढ़ती भीड़ को

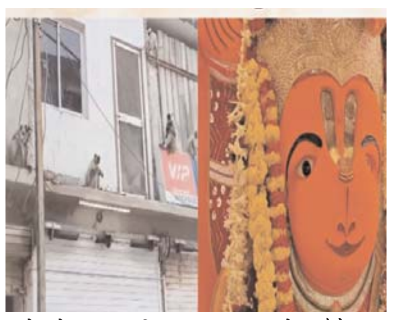

देखते हुए पुलिस प्रशासन को मौके पर बैरिकेडिंग करनी पड़ी है।

इसी बीच गुरुवार को मंदिर परिसर के पास अचानक 12 से अधिक लंगूरों का झुंड पहुंच गया और करीब एक घंटे तक मने की इमारतों पर बैठकर मंदिर की ओर देखता रहा। इसे देखकर श्रद्धालुओं ने इसे बजरंगबली की महिमा से जोड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर कौतूहल के साथ जयकारों का माहौल भी देखने को मिला।

मनोज जरांगे का अनशनप्रीमियम

जहां श्रद्धालु सोशल मीडिया पर वायरल दावों को आस्था और चमत्कार से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं स्थानीय प्रशासन ने इन दावों को खारिज किया है। प्रशासन का कहना है कि प्रतिमा को हटाने या स्थानांतरित करने का ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया था, जिससे उसके नहीं हटने की बात कही जा सके। प्रतिमा के न हटने से जुड़े दावे सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाह हैं।

लंगूरों के अचानक पहुंचने को लेकर भी प्रशासन ने कहा कि यह सामान्य प्राकृतिक घटना हो सकती है और इसका किसी अलौकिक दावे से कोई संबंध नहीं है। फिलहाल प्रशासन की सफाई और श्रद्धालुओं की आस्था के बीच सती गेट स्थित खड़े हनुमान मंदिर चर्चा का केंद्र बना हुआ है और श्रद्धालु लगातार मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के प्रबंधन समिति की बैठक में विद्यालय की भूमि, कंप्यूटर और सुरक्षा निधि सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

जबलपुर(आरएनएस)। अपर कलेक्टर रविशंकर राय की अध्यक्षता में आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय गढ़ा की शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रबंधन समिति की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय के संचालन, संसाधनों और विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य योगेश कुमार गुप्ता ने बताया कि विद्यालय की वर्तमान बिल्डिंग वर्ष 2007 में तैयार हुई थी। इसे बने हुए अब करीब 19 वर्ष हो चुके हैं। वर्तमान में विद्यालय का संचालन पीएम श्री रानी दुर्गावती महाविद्यालय गढ़ा में किया जा रहा है।प्राचार्य श्री गुप्ता ने विद्यार्थियों के भविष्य और विद्यालय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय के लिए पृथक भूमि आवंटित करने का प्रस्ताव रखा, ताकि भविष्य में विद्यालय की स्वयं की भवन का निर्माण कराया जा सके। उन्होंने राइट ऑफ किए जा चुके कंप्यूटरों को हटाकर उनके स्थान पर नए कंप्यूटर उपलब्ध कराने तथा विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवंटित निधि बढ़ाने की मांग भी बैठक में रखी।

कलेक्टर श्री सिंह ने किया एल्गिन अस्पताल का निरीक्षण

जबलपुर (ए.)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने शासकीय रानी दुर्गावती चिकित्सालय लेडी एल्गिन अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए अस्पताल परिसर में व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर

श्री सिंह ने अस्पताल में पर्ची काउंटर को डिजिटल करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड में भर्ती मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को आवश्यक दवाएं और सभी स्वास्थ्य सुविधाएं निर्बाध रूप से मिलती रहें।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने अस्पताल के रसोई घर का भी जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को दिए जा रहे भोजन और उसकी गुणवत्ता की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। श्री सिंह ने अस्पताल परिसर की नई बिल्डिंग का भी अवलोकन किया और निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए शेष कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अमृत कलश कक्ष की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर रविशंकर राय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी, एल्गिन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. नीता पराशर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

इंदौर के पलासिया चौराहे पर लिव-इन पार्टनर पर चाकू से हमला, फिर खुद का गला काटा

इंदौर(आरएनएस) पलासिया चौराहे पर दिनदहाड़े लिव-इन पार्टनर पर जानलेवा हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है. तीन साल से लिव-इन रिलेशन में रह रहे युवक ने महिला का रास्ता रोककर धारदार हथियार से उसके गले पर हमला कर दिया.इसके बाद आरोपी ने खुद को भी घायल करने का प्रयास किया. दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां महिला की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है. पुलिस ने आरोपी को अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस के अनुसार, कनाड़िया क्षेत्र के चेतन नगर में रहने वाली महिला करीब तीन साल से आरोपी युवक के साथ लिव-इन रिलेशन में थी. महिला ने युवक पर लगातार परेशान करने का आरोप लगाया था और इसी संबंध में वह शिकायत दर्ज कराने महिला थाने जा रही थी.इसी दौरान पलासिया चौराहे के पास आरोपी युवक ने महिला को रोक लिया. दोनों के बीच विवाद हुआ और मामला इतना बढ़ गया कि युवक ने धारदार हथियार से महिला के गले पर हमला कर दिया. इसके बाद आरोपी ने खुद का गला काटकर जान देने की कोशिश की. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया. पुलिस के अनुसार, महिला की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है, हालांकि उसके बयान अभी दर्ज नहीं हो सके हैं. आरोपी युवक को उपचार के बाद पुलिस अभिरक्षा में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस अब हमले की वजह और दोनों के बीच हुए विवाद सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है. महिला की छोटी बच्चियां फिलहाल अपने नाना के पास हैं.

महिला एवं बाल विकास आयुक्त संदीप ने इंदौर में बाल संस्थाओं का किया निरीक्षण

इंदौर (आरएनएस)। आयुक्त महिला एवं बाल विकास संदीप जी.आर. ने पदभार संभालते ही विभागीय योजनाओं और संस्थाओं की जमीनी स्थिति की पड़ताल शुरू कर दी है। शुक्रवार को उन्होंने इंदौर पहुंचकर छावनी स्थित राजकीय बाल आश्रम, ऑब्जर्वेशन होम (संप्रेक्षण गृह), स्पेशल होम और वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को जाना तथा संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। राजकीय बाल आश्रम के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वहां निवासरत बच्चों से आत्मीय बातचीत की और उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थाओं में बच्चों से

संबंधित सभी अभिलेख व्यवस्थित और अद्यतन रूप से संधारित किए जाएं। इसके बाद ऑब्जर्वेशन होम और स्पेशल होम पहुंचे आयुक्त ने वहां रह रहे बच्चों से भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने बच्चों की समस्याओं, पढ़ाई और कैरियर को लेकर उनकी रुचियों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल प्रशिक्षण पर जोर

आयुक्त संदीप जी.आर. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल संस्थाओं में रह रहे बच्चों की नियमित पढ़ाई और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल संस्थागत सुविधाएं उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी जरूरी है। इसके लिए बच्चों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़े जाने के निर्देश दिए।

व्यापार समाचार

भारत ब्रिक्स के जरिए अपनी टेक्नोलॉजी को वैश्विक स्तर पर ले जा सकता है : इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारत ब्रिक्स का उपयोग अपनी टेक्नोलॉजी को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए कर सकता है। इससे भारत के साथ सदस्य देशों को फायदा होगा। यह बयान ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आए इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की ओर से शुक्रवार को दिया गया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के साइडलाइन में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में दक्षिण अफ्रीकी कंपनी एमपिलो-एंडे फोर्टिफाइड फूड्स के सीईओ मफुंडो थांगो ने कहा कि भारत दक्षिण अफ्रीका की तुलना में काफी ज्यादा विकसित है, इसलिए मुझे लगता है कि यहां जो टेक्नोलॉजी और एग्री-टेक इनोवेशन विकसित किए गए हैं, उन्हें दक्षिण अफ्रीका को एक आधार बनाकर अफ्रीका में बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे भारत को अपनी टेक्नोलॉजी को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका मिलेगा।वहीं, भारत में रूसी दूतावास में प्रेस सेक्रेटरी पेट्र सिजोव ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई

अर्थव्यवस्था है और विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है और दोनों देश साथ मिलकर काफी सारे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, इसलिए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 110 से ज्यादा रूसी कंपनियां भाग ले रही हैं।ब्रिक्स की अध्यक्षता को भारत के लिए बड़ा अवसर बताते हुए 'एसोसिएशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स वेलफेयर' के उपाध्यक्ष अनुपम वोहरा ने कहा, अभी भारत में पर्यटन में जबरदस्त तेजी है। हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और विदेशों से बहुत सारे पर्यटक आ रहे हैं। ब्रिक्स ग्रुप में शामिल अन्य देशों में ब्राजील, साउथ अफ्रीका, चीन, मिस्र, ईरान और यूएई शामिल हैं। यह दुनिया भर के लगभग 11 से 12 देशों का एक बड़ा गठबंधन है।हर देश की अपनी अलग प्राथमिकताएं और अलग-अलग स्तर की आर्थिक स्थितियां हैं, इसलिए सभी पर एक जैसे नियम लागू नहीं हो सकते। उदाहरण के लिए, चीन बहुत बड़े पैमाने पर पर्यटन का काम करता है, जबकि रूस को चल रहे संघर्ष के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिक्स दुनिया की इकॉनमी और आबादी के लगभग 60 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

भारतीय शेयर बाजार वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से लाल निशान में खुला; निफ्टी 23,300 के नीचे

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई। सुबह 9ः16 पर सेंसेक्स 707 अंक या 0.95 की गिरावट के साथ 74,192 और निफ्टी 238 अंक या 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,238 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का काम मेटल और रियल्टी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे। निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर लाल निशान में थे।

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार, अमेरिका-ईरान संघर्ष बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति पर चिंता गहराई

नई दिल्ली(आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में गुरुवार को तेज उछाल देखने को मिला और ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं गहरा गई हैं। इसके साथ ही चीन की मजबूत खरीदारी और सऊदी अरब के तेल उत्पादन में भारी गिरावट ने भी कीमतों को ऊपर धकेलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड वायदा कीमतों में लगभग 2.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 104 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। इससे पहले पिछले सत्र में वैश्विक मानक तेल बेंचमार्क 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया था, जो जुलाई के बाद पहली बार हुआ था। अब कीमतें मई के बाद के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं।

तेल की कीमतों में आई इस तेजी ने दुनिया भर में ऊर्जा आधारित महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचता है तो तेल के साथ-साथ प्राकृतिक गैस और डीजल जैसी ऊर्जा वस्तुओं की कीमतों पर भी दबाव बना रह सकता है, जिसका असर वैश्विक महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर पड़ सकता है।

दुबई जाओ, फोन लाओ और ट्रिप भी फ्री...APPLE के पहले फोल्डेबल IPHONE DUO की कीमत ने उड़ाए होश

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रीमियम टेक दिग्गज Apple ने अपना पहला बहुप्रतीक्षित फोल्डेबल फोन 'iPhone Duo' आधिकारिक तौर पर भारतीय बाजार में उतार दिया है,

लेकिन इसकी कीमतों ने टेक जगत और उपभोक्ताओं को हिलाकर रख दिया है। वैश्विक स्तर के मुकाबले भारत में इस डिवाइस के दाम इतने ज्यादा रखे गए हैं कि यह अमेरिका और दुबई की तुलना में करीब 1.4 लाख तक महंगा मिल रहा है। कीमतों में इस भारी अंतर के चलते सोशल मीडिया पर चुटकुलों और मीम्स की बाढ़ आ गई है, जहां लोग तंज कस रहे हैं कि भारत में फोन खरीदने से बेहतर है दुबई जाकर घूमना और वहां से डिवाइस लेकर आना, जिससे पूरी ट्रिप का खर्च मुफ्त निकल आएगा।

4.5 लाख तक पहुंची कीमत, विदेशी बाजारों से भारी अंतर

भारत में iPhone Duo की शुरुआती कीमत ही 2,99,900 तय की गई है, जबकि इसके टॉप वेरिएंट के दाम 4,49,900 तक पहुंच जाते हैं। इसके उलट, अमेरिका में यही मॉडल लगभग 1.92 लाख में उपलब्ध है। दुबई और सिंगापुर जैसे व्यापारिक केंद्रों में टैक्स रिफंड (वैट रिफंड) की सुविधा मिलने के बाद यह अंतर और भी चौड़ा हो जाता है। भारी मूल्य अंतर के चलते इंटरनेट पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है कि विदेश से लौट रहे छात्र अगर दो फोन साथ ले आएं, तो उनकी दोनों तरफ की फ्लाइट का टिकट बिल्कुल फ्री निकल आएगा। यूजर्स यह कटाक्ष भी कर रहे हैं कि फोन के केवल एक फोलियो कवर की कीमत में भारत में एक शानदार एंड्रॉइड स्मार्टफोन खरीदा जा सकता है। अत्यधिक कीमतों का सीधा असर अब Apple की बिक्री पर पड़ने के पूरे आसार हैं। प्रमुख मार्केट रिसर्च फर्म IDC India और Counterpoint Research ने भारत के लिए Apple के सेल्स आउटलुक में कटौती कर दी है। विश्लेषकों का अनुमान है कि कैलेंडर वर्ष 2026 में भारत के इतिहास में पहली बार आईफोन्स की यूनिट बिक्री में सालाना आधार पर गिरावट दर्ज होगी। हालांकि, प्रीमियम डिवाइसों की आसमान छूती कीमतों के चलते कंपनी का कुल रेवेन्यू 6 से 7 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, लेकिन हैंडसेट खरीदने वाले ग्राहकों की कुल संख्या घटेगी।

फिनटेक वित्तीय समावेशन को दे रहा नई ऊंचाई, गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने में निभा रहा अहम भूमिका : आरबीआई गवर्नर

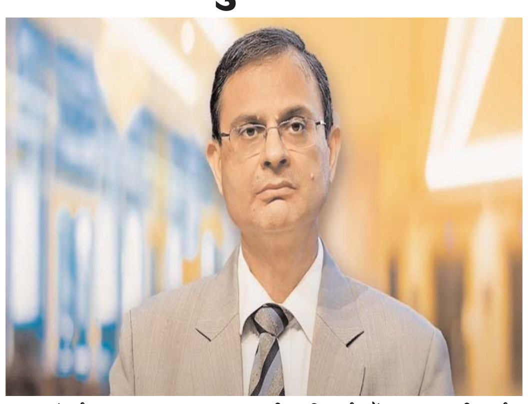

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि फिनटेक कंपनियां भारत के वित्तीय तंत्र की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आरबीआई का प्रयास फिनटेक कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का है, ताकि देश के हर व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाई जा सकें, डिजिटल धोखाधड़ी को कम किया जा सके और बैंकिंग सेवाओं की लागत घटाई जा सके।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन, ग्राहक-केंद्रित सेवाएं और सुरक्षित डिजिटल वित्तीय प्रणाली आरबीआई की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक की मदद से वित्तीय सेवाओं को लोगों के गांवों और घरों तक पहुंचाना ही भविष्य की दिशा है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, फिनटेक हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है, और हमारा प्रयास है कि हम उनके साथ और अपने वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं के साथ मिलकर काम करें, ताकि पूरे भारत में हम वित्तीय समावेशन, ग्राहक-केंद्रितता और डिजिटल धोखाधड़ी को कम करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य को प्राप्त कर सकें, साथ ही बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के लिए लागत को भी कम कर सकें।

उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य इन लक्ष्यों को पूरा करने और वित्तीय प्रणाली को सभी लोगों के करीब लाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करना है-उनके गांवों और घरों तक पहुंचना है।

इससे पहले जीएफएफ 2026 कार्यक्रम में बोलते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने बताया कि देश में वर्तमान में 57 करोड़ प्रधानमंत्री जनधन खाते, 25 करोड़ माइक्रो इंश्योरेंस पॉलिसियां और 9 करोड़ अटल पेंशन योजना लाभार्थी हैं। वहीं, यूपीआई के माध्यम से होने वाले लेनदेन का पैमाना भी लगातार बढ़ रहा है और यह आज करोड़ों लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है।

उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल इन आंकड़ों का आकार नहीं है, बल्कि यह है कि डिजिटल वित्तीय सेवाएं आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतों का हिस्सा बन गई हैं। बैंकिंग अब केवल शाखाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि मोबाइल फोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीधे लोगों तक पहुंच रही है।

संजय मल्होत्रा ने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की साझेदारी ने भारत में वित्तीय समावेशन को नई गति दी है। हालांकि, अगला लक्ष्य वित्तीय सेवाओं को पूरी तरह 'सर्वव्यापी और हर जगह उपलब्ध' बनाना होना चाहिए।

भारत का एयरोस्पेस बाजार 2035 तक 61 अरब डॉलर तक पहुंचेगा, एमएसएमई के लिए खुलेंगे बड़े अवसर : राम मोहन नायडू

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि भारत का एयरोस्पेस मार्केट वर्ष 2025 के 30 अरब डॉलर से अधिक के स्तर से बढ़कर 2035 तक लगभग 61 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में देश के वाणिज्यिक विमान बेड़े का आकार भी दोगुना से अधिक होकर करीब 2,050 विमानों तक पहुंच सकता है, जिससे भारतीय विनिर्माण कंपनियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति शृंखला का हिस्सा बनने का बड़ा अवसर पैदा होगा।

सीआईआई और नागर विमानन मंत्रालय की संयुक्त पहल वोर्टेक्स 2026 को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि सरकार भारत में एक मजबूत एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता एवियोनिक्स क्षेत्र में अवसर तलाश सकते हैं, प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनियां एयरोस्पेस कलपुर्जों के निर्माण में प्रवेश कर सकती हैं और ऑटोमोबाइल उद्योग को आपूर्ति करने वाले एमएसएमई भी एयरोस्पेस क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के ऑटो कंपोनेंट उद्योग, जिसका आकार आज लगभग 70 अरब डॉलर है, और मोबाइल फोन विनिर्माण क्षेत्र की सफलता एयरोस्पेस उद्योग के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि आज भारत में उपयोग होने वाले लगभग 99 प्रतिशत मोबाइल फोन देश में ही निर्मित हो रहे हैं और इसी तरह की सफलता एयरोस्पेस क्षेत्र में भी हासिल की जा सकती है। मंत्री ने कहा कि एमएसएमई निर्यात में पिछले कुछ वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में जहां यह लगभग 4 लाख करोड़ रुपए था, वहीं 2025 तक बढ़कर 12.4 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। वर्तमान में 1.73 लाख से अधिक एमएसएमई सीधे वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस क्षेत्र की आवश्यकताओं का लगभग 80 प्रतिशत आधार भारतीय उद्योग के पास पहले से मौजूद है और शेष 20 प्रतिशत के लिए सरकार आवश्यक नियामकीय सहयोग प्रदान करेगी।नायडू ने बताया कि भारतीय एयरलाइंस ने कुल 1,640 विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आर्थिक कदम भी दंत-विहीन

सैन्य विकल्प समाप्त हो जाने के बाद अमेरिका अब आर्थिक दबाव के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो सैन्य बल से संभव नहीं हुआ। लेकिन आर्थिक कदम भी दंत-विहीन ही हैं।

अमेरिका ने ईरान को दुनिया में पराया बना देने के बड़े इरादे के साथ 'ऑपरेशन इकॉनमिक आउटकास्ट' का एलान किया। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने धमकी दी कि अब ईरान से किसी भी प्रकार का आर्थिक संबंध रखने वाले देश और कंपनियों को डॉलर सिस्टम से बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन जब प्रतिबंधों की सूची जारी की गई, तो ऐसा नहीं लगा कि अमेरिका सचमुच अपने एलान को हकीकत में बदलने में सक्षम है। इसमें भारत की चार कंपनियों सहित लगभग 60 व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों को शामिल किया गया, लेकिन चीन की किसी वित्तीय संस्था को निशाना नहीं बनाया गया। इस बारे में पूछने पर बेसेंट ने कहा- वैश्विक वित्तीय प्रणाली को मैं क्यों उड़ा डालना चाहूंगा?

मतलब साफ है। अमेरिका की राय है कि चीनी बैंकों पर प्रतिबंध लगाने से पूरी वित्तीय प्रणाली संकटग्रस्त हो सकती है। जबकि चीन ही ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार है। वह ईरान में बड़ा निवेशक भी है। अत: चीन को रोके बिना अमेरिकी प्रतिबंध दिखावटी दांत बन कर रह जाएंगे। चीनी विदेश मंत्रालय ने ताजा अमेरिकी प्रतिबंध को यह कहते हुए ठुकरा दिया है कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून एवं संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। उसने कहा कि चीन अपने हितों की मजबूती से रक्षा करेगा। तो फिर अमेरिकी प्रतिबंध से कौन प्रभावित होगा? रूस पहले से ही सबसे अत्यधिक प्रतिबंधित देश है, इसलिए उस पर नई पाबंदियों का नगण्य असर होना है। दरअसल, प्रतिबंधों की घोषणा के बाद रूस ने ईरान से 25 बिलियन डॉलर का परमाणु समझौता करने का एलान कर दिया। ऐसे में स्पष्ट है कि अमेरिकी कदम का दबाव सिर्फ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका/ इजराइल के कुछ सहयोगी देश ही महसूस करेंगे, जो ईरान के लिए किसी गंभीर चिंता का विषय नहीं है। इसीलिए विश्लेषकों ये राय जताई है कि ऑपरेशन इकॉनमिक आउटकास्ट असल में यह स्वीकारोक्ति है कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प समाप्त हो चुके हैं। इसलिए अमेरिका अब आर्थिक दबाव के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो सैन्य बल से संभव नहीं हुआ। लेकिन आर्थिक कदम भी दंत-विहीन ही हैं।

ब्रिक्स के मंच पर भारत की नई कूटनीतिक परीक्षा

अवनीश कुमार गुप्ता

बदलती विश्व व्यवस्था में किसी देश की कूटनीतिक क्षमता का वास्तविक आकलन तब होता है, जब उसके सामने एक साथ कई विरोधाभासी हित खड़े हों। भारत के लिए इस समय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसा ही अवसर लेकर आया है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, रूस और पश्चिम के बीच बढ़ती दूरी, अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में संरक्षणवाद और ऊर्जा सुरक्षा की चिंता ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को जटिल बना दिया है। ऐसे समय में भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। इसलिए उसके सामने चुनौती केवल सम्मेलन को सफलतापूर्वक आयोजित करने की नहीं, बल्कि अलग-अलग हितों वाले देशों के बीच संवाद और सहयोग की ऐसी जमीन तैयार करने की है, जहां मतभेदों के बावजूद साझा हितों को आगे बढ़ाया जा सके। ब्रिक्स का विस्तार पिछले कुछ वर्षों में इसकी शक्ति और जटिलता दोनों बढ़ा चुका है। प्रारंभ में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका तक सीमित यह समूह अब कई नई अर्थव्यवस्थाओं को अपने साथ जोड़ चुका है। इसका भौगोलिक और आर्थिक विस्तार वैश्विक दक्षिण की व्यापक आवाज बनने की संभावना पैदा करता है, लेकिन सदस्य देशों की राजनीतिक प्राथमिकताएं समान नहीं हैं। रूस पश्चिमी दबाव का सामना कर रहा है, चीन वैश्विक शक्ति-संतुलन में अपने प्रभाव का विस्तार चाहता है, ईरान पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहा है, जबकि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखते हुए अमेरिका और यूरोप के साथ भी संबंध मजबूत कर रहा है। यही विविधता ब्रिक्स को महत्वपूर्ण भी बनाती है और कठिन भी। भारत के सामने पहली बड़ी चुनौती यह है कि ब्रिक्स को किसी एक देश या किसी एक विचारधारा के विरुद्ध खड़े राजनीतिक गुट में बदलने से रोका जाए। यदि ब्रिक्स की पहचान केवल पश्चिम-विरोधी मंच के रूप में बनने लगेगी तो भारत के लिए उसकी उपयोगिता सीमित हो सकती है। भारत का हित ऐसी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में है जिसमें किसी एक शक्ति का प्रभुत्व न हो, लेकिन साथ ही विश्व राजनीति स्थायी टकराव में भी न बदल जाए। इसलिए भारत को ब्रिक्स को सहयोग, विकास और वैश्विक शासन में सुधार के मंच के रूप में स्थापित करने पर जोर देना चाहिए। पश्चिम एशिया का संकट इस परीक्षा को और कठिन बना रहा है। ब्रिक्स के भीतर ही ऐसे देश मौजूद हैं जिनके क्षेत्रीय हित कई बार एक-दूसरे से टकराते हैं। ईरान और अरब देशों के बीच तनाव इसका उदाहरण है। ऐसी परिस्थितियों में किसी साझा राजनीतिक बयान पर सहमति बनाना आसान नहीं होता। भारत को ऐसी कूटनीतिक भाषा विकसित करनी होगी जो किसी पक्ष की कठोर

आलोचना के बजाय शांति, संप्रभुता, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर आधारित हो। यदि नई दिल्ली इस संवेदनशील प्रश्न पर व्यापक सहमति बनाने में सफल होती है तो यह उसकी कूटनीतिक परिपक्वता का महत्वपूर्ण प्रमाण होगा। ब्रिक्स सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय पहलू भारत-चीन संबंध भी हैं। सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के बीच लंबे समय से अविश्वास बना रहा है। हालांकि हाल के समय में संबंधों को स्थिर करने और संवाद बढ़ाने के प्रयास हुए हैं। चीन के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा इस संदर्भ में विशेष महत्व रखती है। दोनों देशों के बीच सीमा पर शांति, व्यापार असंतुलन, निवेश और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषय महत्वपूर्ण हैं। भारत को चीन के साथ संबंध सुधारने की आवश्यकता है, लेकिन यह सुधार राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर नहीं हो सकता। सीमा पर शांति दोनों देशों के हित में है, पर शांति का अर्थ रणनीतिक सतर्कता समाप्त करना नहीं है। भारत को आर्थिक सहयोग बढ़ाने के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में निर्भरता कम करने और अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ना होगा। संबंधों में सुधार तभी टिकाऊ होगा, जब वह विश्वास, पारदर्शिता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित हो। रूस के साथ भारत के संबंध भी इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण रहेंगे। ऊर्जा, रक्षा और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्र में रूस भारत का लंबे समय से महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। वैश्विक प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ संवाद बनाए रखा है। यह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का हिस्सा है। लेकिन इसके साथ पश्चिमी देशों के साथ भारत के बढ़ते आर्थिक, तकनीकी और सामरिक संबंध भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इसलिए भारत को यह संदेश स्पष्ट रखना होगा कि रूस के साथ संबंध पश्चिम के विरुद्ध नहीं हैं और पश्चिम के साथ सहयोग रूस के विरुद्ध नहीं है। भारत की विदेश नीति का आधार किसी गुट का समर्थन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित होना चाहिए।

ब्रिक्स का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापारिक बाधाएं, आपूर्ति शृंखला का पुनर्गठन, ऊर्जा असुरक्षा और बढ़ती संरक्षणवादी प्रवृत्तियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। भारत को ब्रिक्स के माध्यम से व्यापार, निवेश, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि सदस्य देश केवल राजनीतिक घोषणाओं तक सीमित न रहकर वास्तविक आर्थिक परियोजनाओं पर आगे बढ़ते हैं तो ब्रिक्स की उपयोगिता कहीं अधिक बढ़ सकती है।विकासशील देशों के लिए वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों की भागीदारी और निर्णय प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। भारत ब्रिक्स के मंच से इन संस्थाओं में सुधार का मुद्दा मजबूती से उठा सकता है। इसका उद्देश्य किसी मौजूदा व्यवस्था को अचानक समाप्त करना नहीं, बल्कि उसे अधिक प्रतिनिधिक, पारदर्शी और विकासशील देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना होना चाहिए। तकनीक का क्षेत्र भी भारत को अपनी विशिष्ट भूमिका निभाने का अवसर देता है।

डिजिटल भुगतान, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचार में भारत का अनुभव कई विकासशील देशों के लिए उपयोगी हो सकता है। लेकिन तकनीकी सहयोग के साथ डेटा सुरक्षा, डिजिटल अधिकार, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जवाबदेही जैसे प्रश्नों पर भी साझा दृष्टिकोण आवश्यक होगा। भविष्य की कूटनीति केवल भूगोल और सैन्य शक्ति से निर्धारित नहीं होगी। तकनीकी क्षमता भी वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण आधार बनेगी।ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण की आवाज बनाने की बात तभी सार्थक होगी, जब उसके एजेंडे में आम नागरिकों से जुड़े प्रश्न भी प्रमुख हों। सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार, जलवायु वित्त, आपदा प्रबंधन और विकास के लिए संसाधन ऐसे विषय हैं जिन पर भारत व्यावहारिक नेतृत्व दे सकता है। दुनिया के विकासशील देशों को बड़ी घोषणाओं से अधिक ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जिनका प्रभाव उनके नागरिकों के जीवन में दिखाई दे।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी ज़िम्मेदारी

जब समुदाय अपनी आंगनवाड़ी को अपना मानता है

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

2047 का विकसित भारत उन बच्चों के हाथों से बनेगा, जो अभी स्कूल की दहलीज तक भी नहीं पहुँचे हैं। स्वस्थ और सक्षम बनने की उनकी यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण नींव जीवन के पहले एक हजार दिनों में ही रखी जाती है। करोड़ों भारतीय बच्चों और माताओं के लिए इस सफर का भरोसेमंद सहारा उनके आसपास ही मौजूद है—आँगनवाड़ी।

स्कूल जाने से बहुत पहले बच्चे का वजन और लंबाई आँगनवाड़ी में मापी जाती है। वहीं उसे गरम पका भोजन और घर के बाहर की दुनिया से जुड़ने का पहला अवसर मिलता है, और गर्भवती माँ को पोषण से जुड़ी पहली सलाह भी। देशभर के लगभग 14 लाख आँगनवाड़ी केंद्र 8.9 करोड़ से अधिक बच्चों, महिलाओं और किशोरियों तक पहुँच रहे हैं, और इन्हें चलाने वाली 25.2 लाख कार्यकर्ता व सहायिकाएँ उसी समाज से आती हैं, जिसकी वे सेवा करती हैं। आँगनवाड़ी हमारे समाज से अलग कोई व्यवस्था नहीं, हमारे अपने पड़ोस का हिस्सा है।

मार्च 2018 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पोषण अभियान की शुरुआत कर इसी परिचित व्यवस्था को देशव्यापी जनआंदोलन की मजबूत नींव बनाया। तब से हर सितंबर राष्ट्रीय पोषण माह और हर मार्च पोषण पखवाड़ा पोषण का संदेश देश के कोने-कोने तक पहुँचाने का माध्यम बने हैं।

इस वर्ष 9वाँ राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर 2026 से हमारी आँगनवाड़ी, हमारी ज़िम्मेदारी थीम के साथ शुरू हो रहा है। गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और इस दिशा में हमारा संकल्प मजबूत है। साथ ही, इन सेवाओं का प्रभाव तब और बढ़ता है, जब समुदाय आँगनवाड़ी को अपना मानता है। प्रधानमंत्री जी ने भी कहा है कि विकसित भारत का निर्माण सबके प्रयास से होगा।

लाभार्थी से भागीदार तक

इस वर्ष सामुदायिक भागीदारी को एक व्यवस्थित रूप दिया जा रहा है। आँगनवाड़ी प्रबंधन समितियाँ माता-पिता, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं

सहायता समूहों को केंद्र के संचालन से जोड़ती हैं। वे देख सकते हैं कि बच्चों को क्या परोसा जा रहा है, हर हकदार बच्चे तक सेवाएँ पहुँच रही हैं या नहीं, और केंद्र को बेहतर बनाने के लिए किस सहयोग की आवश्यकता है। इसे प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है—सोशल ऑडिट, जो समुदाय को अपनी आँगनवाड़ी की समीक्षा करने और सामने आने वाली बातों के आधार पर सुधार की दिशा तय करने का अवसर देता है। जिस केंद्र से बच्चों और माताओं का जीवन जुड़ा है, उसकी गुणवत्ता बनाए रखने में उन्हीं परिवारों की भागीदारी सबसे स्वाभाविक है।

इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में माँ है, और उसके हाथ में पारदर्शिता का सरल माध्यम है—मेन्यू बोर्ड। हर केंद्र पर लगा यह बोर्ड गरम पके भोजन और टेक-होम राशन का दिन-वार विवरण परिवारों के सामने रखता है। जब एक माँ जानती है कि उसके बच्चे को क्या मिलना चाहिए और केंद्र के साथ संवाद कर यह सुनिश्चित करती है कि उसे तय मात्रा और गुणवत्ता के अनुसार भोजन मिले, तो पारदर्शिता रोजमर्रा की व्यवस्था बन जाती है।

पोषण माह 2026 इसी भागीदारी को जमीन पर उतारने का अवसर है। जहाँ प्रबंधन समितियाँ गठित नहीं हुई हैं, वहाँ उनका गठन किया जाएगा; जहाँ मौजूद हैं, वहाँ उनकी पहली बैठकें और सोशल ऑडिट होंगे। हर केंद्र पर मेन्यू बोर्ड लगेगा। तिथि भोज और स्वस्थ व्यंजनों के प्रदर्शन जैसे आयोजन परिवारों, पंचायतों और स्वयं सहायता समूहों को आँगनवाड़ी के और करीब लाएँगे।

मेन्यू बोर्ड से आगे

आँगनवाड़ी सेवाओं की पहली कसौटी है—पौष्टिक भोजन, जो संतुलित और विविधतापूर्ण भी हो: अनाज और श्री अन्न, दालें, मेवे और बीज, दूध और दुग्ध उत्पाद, अंडा, मौसमी फल तथा हरी सब्जियाँ। इसी दिशा में जुलाई में जारी पूरक पोषण कार्यक्रम के व्यापक दिशानिर्देश, 2026 महत्वपूर्ण कदम हैं, जिनमें पहली बार गरम पके भोजन का स्वरूप स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के पोषक मानकों को और मजबूत किया गया है।

भोजन के साथ बच्चे के शुरुआती विकास और सीखने पर भी उतना ही ध्यान जरूरी है। बच्चा क्या खाता है और कैसे सीखता है—दोनों गहराई से जुड़े हैं। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता पहले तीन वर्षों में विकास के 34 पड़ावों पर नजर रखती हैं, और नवचेतना तथा आधारशिला जैसे पाठ्यक्रम बच्चे को स्कूल के लिए तैयार करते हैं। यह यात्रा जन्म से भी पहले शुरू होती है—गर्भावस्था में माँ का पोषण बच्चे के जीवन की शुरुआत को भी प्रभावित करता है। इसी संदर्भ में इस वर्ष प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के दस वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसके पीछे भावना यही रही है कि किसी महिला को गर्भावस्था के दौरान अपनी आजीविका और अपने स्वास्थ्य के बीच चुनाव न करना पड़े। इन दस वर्षों में 4.65 करोड़ लाभार्थियों तक 21,511 करोड़ सीधे उनके बैंक खातों में पहुँचे हैं। मिशन शक्ति के तहत यह योजना अब दूसरी संतान के रूप में बेटी के जन्म पर अतिरिक्त लाभ भी देती है। सहायता का प्रभाव तब कई गुना बढ़ जाता है, जब वह अकेले नहीं, बल्कि निरंतर परामर्श और सहयोग के साथ पहुँचती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी इसी तथ्य को रेखांकित किया है कि नकद सहायता अपना पूर्ण उद्देश्य तभी सिद्ध करती है, जब उसके साथ ऐसा परामर्श भी जुड़ा हो, जो परिवार को सोच-समझकर निर्णय लेने में सक्षम बनाए।

नेताओं की मेज पर दुनिया, जनता की मेज पर सवाल

प्रो. आरके जैन अरिजीत

दिल्ली इन दिनों राजधानी नहीं, दुनिया की कूटनीति का बड़ा पड़ाव है। सड़कों पर झंडे, होटलों में विदेशी मेहमान और भारत मंडपम में ब्रिक्स का मंच तैयार है। पुतिन पहुंच चुके हैं, शी जिनपिंग आने वाले हैं और मोदी मेजबान हैं। कैमरे मुलाकात दर्ज करेंगे, दुनिया नतीजे देखेगी। उम्मीद है, पुतिन-शी-मोदी की बैठक ब्रिक्स को नई दिशा देगी। लेकिन दिशा की परीक्षा मंजिल पर होती है। सवाल यह नहीं कि कितनी देर बैठक होगी या कितनी तस्वीरें आएंगी; सवाल है कि बंद कमरे का फैसला उस आदमी तक कब पहुंचेगा, जो तेल का भाव सुनकर जेब टटोलता है। क्या महंगाई को राहत मिलेगी, ऊर्जा संकट का रास्ता निकलेगा या फिर एक चमकदार बयान ही आएगा ?इस त्रिकोण की अहमियत है कि तीनों देशों के हित अलग हैं। रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है, चीन सीमाओं और व्यापारिक विस्तार में व्यस्त है, जबकि भारत दोनों से रिश्ते निभाते हुए स्वतंत्र राह तलाश रहा है। गलवान की कड़वी स्मृति के बाद करीब सात साल में शी जिनपिंग का दिल्ली आना सामान्य यात्रा नहीं है। यह भरोसे की वापसी है, मजबूरी या रणनीतिक जरूरत—समय बताएगा। उधर ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया को अस्थिर कर दिया है और कच्चा तेल सौ डॉलर प्रति बैरल के पार है। दुनिया महंगाई की चक्की में पिस रही है। ऐसे में ब्रिक्स की मेज पर 'सहयोग', 'बहुपक्षवाद' और 'ग्लोबल साउथ' जैसे शब्द ही गूंजते रहे, तो पेट्रोल सस्ता नहीं होगा। जनता को नारे नहीं, नतीजे चाहिए। ब्रिक्स अब पांच देशों का पुराना क्लब नहीं रहा। ग्यारह सदस्य और पार्टनर देश जुड़ चुके हैं। दायरा बढ़ा है तो चुनौतियां भी बढ़ी हैं। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन बड़े सवाल हैं, क्योंकि युद्ध की मार सीमा से निकलकर खेत, कारखाने, रसोई और बाजार तक पहुंचती है। इतने देशों में सहमति आसान नहीं।

आज का राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा धन लाभ कमायेंगे, घर में भौतिक सम्पन्नता बनी रहेगी। आज आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे चहल-पहल बनी रहेगी। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए ऑफिस में सीनियर से बात हो सकती है, इसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप फैक्ट्री के वर्कर को उपहार देंगे, जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठेंगे और वो मन लगाकर काम करेंगे। यह समय प्रेम भाव से अपना काम बनाने का है ऐसे में किसी से भी व्यर्थ बात करने से बचें।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे। आज आप दूसरों के कल्याण की भावना से किसी काम की शुरुआत करेंगे, जो आपकी सामाजिक छवि को मजबूत करेगा। आज आप किसी प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का मन बना सकते हैं, किसी डीलर के माध्यम से आपको बढ़िया डील मिलेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी काम की शुरुआत करेंगे, जिसके माध्यम से दूसरों को भी रोजगार मिलेगा। आज आप जीवन में एक नया दृष्टिकोण लेकर आएंगे और जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप अपने काम को समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आप जीवनसाथी की मदद ले सकते हैं।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्तों को मजबूती मिलेगी। आज आप किसी चीज को समझने के लिए पिता का सहयोग मिलेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी में कार्यरत व्यक्ति को ट्रांसफर से जुड़ी खबर मिल सकती है और किसी काम को लेकर आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

तुला राशि:तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपना पुश्तैनी कारोबार बहुत अच्छे से संभालेंगे, जिससे पिता को बहुत खुशी मिलेगी। आज आप व्यर्थ की बातों को छोड़कर अपने काम पर ध्यान देंगे, जिससे काम समय पर हो जायेगा।

वृश्चिक राशि:वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके काम से खुश होकर बॉस आपका प्रमोशन कर सकते हैं, इसलिए आज आप अपना काम पूरी सावधानी से करें। आज आपकी कम्युनिकेशन स्किल दूसरों को प्रभावित करेगी, जिससे आपको फायदा होगा। आज आपको कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में सतर्कता बरतने के जरूरत है, आप किसी अनुभवी वकील की मदद ले सकते हैं।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा धन लाभ कमायेंगे, आपके परिवार में भौतिक साधनों की बढ़ोतरी होगी। आज आपका सरकारी काम अटका हुआ है, तो किसी अधिकारी की मदद से पूरा हो जाएगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपके सोचे हुए अधिकतर कार्य पूरे होंगे और आप नए कार्यो की योजना बनायेंगे। आज आपके मन में बिजनेस को लेकर नए-नए आडियाज आयेंगे, इस बारे में आप किसी एक्सपर्ट की राय भी ले सकते हैं।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप वो पाने में सफल रहेंगे, जिसके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में आपको अच्छा लाभ होगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप व्यापार में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिनका आपको भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप बच्चों के भविष्य को लेकर इन्वेस्टमेंट का प्लान बना तैयार करेंगे। आज आपके पड़ोसी के साथ रिश्तों में सुधार होगा, उनके घर आना-जाना होगा।

सत्ता चौबीसों घंटे चलते रंगमंच में बदल गई

हरिशंकर व्यास

तो अगले एक महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे-मोहरे का अखिल भारतीय प्रोपेगेंडा होगा। हां, सप्ताह में खबर थी कि मोदी ने भाजपा संगठन, नेताओं, मंत्रियों को सात सितंबर से सात अक्टूबर के बीच पच्चीस साला मोदी पावर की इवेंट के कार्यक्रमों का खाका बनवाया है। मतलब मोदी का जन्मदिन (17 सितंबर) उत्सव, सेवा सप्ताह, सेवा पखवाड़ा, रक्तदान शिविर, मोदी के कामों पर सेमिनार और व्याख्यान आदि-आदि। इसी के लिए दिल्ली में ब्रिक्स बैठक का आयोजन भी है। रूस के पुतिन, चीन के शी जिनपिंग, ईरान के राष्ट्रपति, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री सहित 21 देशों के नेताओं को भारत ने न्योता दिया है। ये आएंगे भी क्योंकि जब दुनिया पुतिन, मसूद पेज़ेशकियान के गले लगने को तैयार नहीं तो दिल्ली में लालकालीन स्वागत, फोटोशूट का मौका कोई क्यों चूके। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान जाएंगे और उसके बाद किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भी शामिल होंगे।

ध्यान रहे इन दोनों संगठनों को पश्चिमी देश, अमेरिका चीन का हितधारक मानते हैं। नवंबर में जी-20 की अमेरिका मेजबानी करेगा और डोनाल्ड ट्रंप आए दिन ब्रिक्स के खिलाफ बोलते रहते हैं। पर मोदी के लिए विश्व राजनीति की दिशा-दशा, भारत, उसकी विदेश नीति के दीर्घकालीन हितों का कोई अर्थ नहीं है। उनका मात्र उद्देश्य दुनिया के नेताओं से गले लगने, लगाने और ट्रंप-शी जिनपिंग, पुतिन आदि के साथ फोटो खिंचाने का होता है ताकि भक्त हिंदू उन्हें विश्व नेता की तरह पूजते रहें। और समय-अवसर क्योंकि 25 साला सत्ता का धूमधड़ाका बनाने का है तो विश्व नेताओं के साथ फोटोशूट तो सोने में सुहागा है।

सोचें, मोदी से पहले 1947 से 2014 तक के हर प्रधानमंत्री पर? क्या नेहरू, वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह किसी ने भी जनता को उल्लू बनाने के लिए ऐसा

कोई तमाशा किया कि वे इतने-इतने साल सत्ता में रहे तो कांग्रेस या भाजपा और सरकार उनकी महिमा में सेवा सप्ताह, सेवा पखवाड़ा, सेमिनार और व्याख्यान आयोजित करें! कैबिनेट के मंत्री, मुख्यमंत्री सभी प्रधानमंत्री की आरती उतारें, उनका प्रोपेगेंडा करें! तो मोदी ऐसा क्यों करते हैं? बकौल लालकृष्ण आडवाणी (अप्रैल 2014)- मैं नरेंद्र भाई को अपना चेला नहीं कहूंगा, लेकिन मैंने उनसे अधिक प्रतिभाशाली और कुशल इवेंट मैनेजर कभी नहीं देखा। भक्त मूर्ख जन भले न मानें लेकिन नरेंद्र मोदी की सत्ता के 25 साल (13 साल सीएम-12 साल पीएम) में एक-एक साल का, एक-एक महीने की सुर्खियों का हिसाब लगाएं तो 9,130 दिनों में लोगों को बहकाने, भाषण देने, झांकियां दिखाने, नए-नए वादे करने, इवेंट आयोजित करने का मोदी रिकॉर्ड ही निकलेगा। हां, नरेंद्र मोदी ने भारत को सचमुच दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक इवेंट-ग्राउंड बनाया है। और मंच कभी खाली नहीं रहता। आज शिलान्यास, कल उद्घाटन; आज संकल्प, कल गारंटी; आज अमृतकाल, कल विकसित भारत। एक पर्दा गिरने से पहले दूसरा उठ जाता है। जनता को हिसाब लगाने की फुर्सत ही नहीं मिलती, उसके आगे अगली झांकी आ जाती है। उस नाते नरेंद्र मोदी वह राजनीतिक केस स्टडी हैं, जिसमें सत्ता चौबीसों घंटे चलते रंगमंच में बदल गई। हर कुछ सप्ताह में नया सेट, नया नारा, नई झांकी, नया संकल्प और नया भविष्य; केवल नायक स्थायी। दर्शक पिछले दृश्य का हिसाब पूछें, उससे पहले अगला पर्दा उठ चुका होता है।

और इस तथ्य को नोट रखें कि नरेंद्र मोदी का गुजरात का मुख्यमंत्री दफ्तर हो या दिल्ली का प्रधानमंत्री दफ्तर, वह केवल और केवल नौकरशाहों-अफसरों से चलता आया है। नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, या नरसिंह राव, डॉ. मनमोहन सिंह की सत्ता इनके स्वंय के लिखाए नोट, लिखित निर्देशों, विचारों मतलब प्रधानमंत्री के निज दिमाग से चलती थी। नेहरू के 17 वर्षों के कार्यकाल में दफ्तर हो या तीन मूर्ति आवास, दर्जनों स्टेनोग्राफर होते थे। फाइल आती, निर्देश होता तो खुद फाइल पर लिखते या स्टेनोग्राफर से नोट बनवा कर कैबिनेट सचिवों, मंत्रियों, सचिवों को भेजते। और उनके कार्यकाल के आर्काइव की फाइलें इसका प्रमाण हैं।शास्त्री ने एलके झा को अपने प्रधानमंत्री सचिवालय में रखा लेकिन वे स्वयं अंग्रेजी-हिंदी ड्राफ्ट देखते और सरकार चलाते थे। नरेंद्र मोदी ठीक विपरीत हैं। उनके सीएमओ, पीएमओ के पच्चीस सालों की फाइलें जब आर्काइव में पहुंचेंगी तो उनका राज वैसा ही निकलेगा जैसा बिहार में राबड़ी देवी का था। ध्यान रहे देश के दूसरे बड़े प्रांत बिहार में राबड़ी देवी का साढ़े सात साल शासन रहा। वे भी अफसरों के बनाए नोट, फाइलों, कैबिनेट बैठकों के एजेंडा (राज्यों में मुख्य सचिव और दिल्ली में कैबिनेट सचिव) की उस सत्ता से चलती थीं, जैसे नरेंद्र मोदी चलते हैं। राबड़ी देवी को सलाह देने वाली अधिकारी राजबाला वर्मा हुआ करतीं। वे नोट बनाती थीं, फाइल प्रोसेस करती थीं, मुख्यमंत्री के दस्तखत की जगह लाइन खींच देती थीं और उस जगह राबड़ी देवी जैसे-तैसे दस्तखत करती थीं।ऐसे ही नरेंद्र मोदी के गांधीनगर सीएमओ में 2001 में उनके प्रमुख सचिव डॉ. पीके मिश्रा थे तो वे आज भी प्रधानमंत्री दफ्तर में उनके प्रमुख सचिव हैं।

पीएम मोदी ने नादेड़ में हुए हादसे में 8 लोगों की मौत पर जताया दुख, पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में सड़क दुर्घटना में हुई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरसी) से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुए हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।बता दें कि महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुवार शाम को एक ट्रक और टाटा मैजिक वैन के बीच भीषण दुर्घटना हुई। इसमें कम से कम 8 यात्रियों की मौत हो गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह हादसा नांदेड़-भोकर हाईवे पर वाकद गांव के पास सीताखंडी इलाके में हुआ। वैन नांदेड़ से भोकर की ओर जा रही थी, तभी ट्रक से टकरा गई। दोनों वाहनों के बीच तेजी से आमने-सामने की टक्कर हुई। ट्रक ने इतनी जोर से टक्कर मारी कि वैन के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क से दूर जा गिरी। इस घटना में ट्रक का अगला हिस्सा भी क्षतिगस्त हो गया।

बताया गया कि वैन में कुल 12 लोग सवार थे। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच चुकी थी। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल के लिए भेजा। वहीं, पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल पुलिस इस घटना के पीछे के कारण की जांच कर रही है।

बद्रीनाथ धाम में हादसा, तप्त कुंड में नहाते समय दो बुजुर्ग महिला श्रद्धालुओं की मौत

चमोली,(आरएनएस)। बद्रीनाथ धाम में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। तप्त कुंड में स्नान के दौरान दो बुजुर्ग महिला यात्रियों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 5 बजे की है। चमोली पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 63 वर्षीय प्रेमा देवी और 71 वर्षीय रामू देवी के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं राजस्थान की रहने वाली थीं। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं तप्त कुंड में स्नान कर रही थीं, तभी वे कुंड के अंदर बेहोश हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और मंदिर प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन अधिक उम्र होने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के किनारे स्थित है। यह भगवान विष्णु को समर्पित एक बेहद पवित्र और प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल है।भौगोलिक रूप से यह धाम समुद्र तल से करीब 3,133 मीटर की ऊंचाई पर नर और नारायण पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित है। यह भारत के चार धामों में से एक है।नर और नारायण पर्वत श्रेणियां उत्तराखंड के चमोली जिले में हिमालय क्षेत्र में स्थित दो प्रसिद्ध पर्वत शिखर हैं, जिनके बीच में पवित्र बद्रीनाथ धाम बसा हुआ है।मंदिर के पास ही प्राकृतिक गर्म पानी का कुंड है, जिसे तप्त कुंड कहा जाता है। मान्यता है कि मंदिर में दर्शन करने से पहले इस कुंड में स्नान करना पवित्र माना जाता है। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां स्नान करते हैं।ज्यादा ठंड और बर्फबारी के कारण यह मंदिर साल में सिर्फ छह महीने ही खुला रहता है। आमतौर पर मई से अक्टूबर तक श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ सकते हैं। उसके बाद सर्दियों में मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

दो अलग-अलग लोन धोखाधड़ी मामले में ED 12 जगहों पर चला रही तलाशी अभियान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना जोन ने ईडी पटना जोन ने शुक्रवार को मेसर्स रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड (आरएचआरएल), गया, बिहार द्वारा किए गए बैंक फ्रॉड के मामले में पीएमएलए की धारा 17 के तहत सर्च ऑपरेशन चला रही है। इस कंपनी को मिस्टर अखौरी गोपाल और उनके बेटे निशांत और नितेश कंट्रोल करते हैं। ईडी 9 जगहों पर सर्च कर रही है जिनमें गया में 6, गुरुग्राम में 2 और नई दिल्ली में एक जगह शामिल हैं। वहीं, एक अन्य मामले में ईडी के कोलकाता जोनल ऑफिस 3 जगहों पर तलाशी अभियान चला रही है। जांच के दौरान यह पता चला कि आरएचआरएल ने सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के ग्रुप से मिले 85 करोड़ रुपये में से 58 करोड़ रुपये का गलत इस्तेमाल किया। यह रकम उनके सीए द्वारा दी गई नकली प्रोजेक्ट पूरा होने की रिपोर्ट के आधार पर ली गई थी। इन लोन के बदले अखौरी गोपाल और उनके परिवार के सदस्यों की पर्सनल गारंटी भी बैंकों को दी गई थी।

ग्रुप की एक संबंधित कंपनी की बकाया रकम के बदले 5 प्रॉपर्टीज टाटा मोटर्स लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई थीं। हालांकि, हाल ही में गिरवी होने के बावजूद इन प्रॉपर्टीज को बहुत कम कीमत पर बेच दिया गया और सेल डीड में इसे कैश पेमेंट के तौर पर दिखाया गया। पता चला है कि कुछ खरीदार कम आय वाले लोग हैं और इतनी बड़ी रकम का इंतजाम करने में सक्षम नहीं हैं। शक है कि वे अखौरी गोपाल के बेनामीदार/प्रॉक्सी हैं। इस बिक्री का मकसद प्रॉपर्टीज को हटाना था ताकि ईडी द्वारा कोई सख्त कार्रवाई न की जा सके। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, अपराध से हुई कमाई (पीओसी) लगभग 131.79 करोड़ रुपये (एनपीए वैल्यू) है। वहीं, ईडी के कोलकाता जोनल ऑफिस ने पीएमएलए, 2002 के नियमों के तहत एआरएसएस ग्रुप (ओडिशा) और एएमआर/एएमआरएल ग्रुप से जुड़ी जगहों पर तलाशी अभियान चला रहा है। एआरएसएस ग्रुप से जुड़े लोगों में इसके पुराने प्रमोटर व डायरेक्टर परिवार के सदस्य अनिल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल और सुभाष अग्रवाल शामिल हैं और एएमआर/एएमआरएल ग्रुप प्रमोटर महेश कुमार रेड्डी अल्थुरु से जुड़ा है।यह तलाशी एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड (एसआईएफएल) और एसआरईआई इक्विपमेंट फाइनेंस लिमिटेड (एसआईएफएल) से लिए गए कथित धोखाधड़ी वाले व अनियमित लोन और उनके बाद लोन न चुकाने की जांच के सिलसिले में की जा रही है। इसमें फंड की 'एवरग्रीनिंग', फंड को दूसरी जगह लगाने व राउंड-ट्रिपिंग और दूसरी अनियमितताओं का शक भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने 9/11 हमलों के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि, आतंकवाद के खिलाफ अटूट संकल्प दोहराया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में हुए 9/11 के भयावह आतंकवादी हमलों की 25वीं बरसी पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उन परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की, जिनकी जिंदगी इन दर्दनाक हमलों से हमेशा के लिए बदल गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद ने दुनियाभर में अनगिनत लोगों की जान ली है। उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद का शिकार होने के कारण भारत पिछले कई दशकों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहा है।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद का खतरा लगातार अपना स्वरूप बदल रहा है, लेकिन आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का विरोध करने के भारत के संकल्प में कोई बदलाव नहीं आया है। प्रधानमंत्री ने इस भयावह खतरे से निपटने के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों के प्रति एकजुटता भी व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सामाजिक मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 9/11 के दर्दनाक हमलों के 25 वर्ष बाद भी पीड़ितों को याद किया जा रहा है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत उन परिवारों के साथ खड़ा है, जिनकी जिंदगी इन हमलों के कारण हमेशा के लिए बदल गई।

उन्होंने कहा, आतंकवाद ने दुनिया भर में अनगिनत जिंदगियां छीन ली हैं। सीमा पार आतंकवाद का शिकार होने के कारण भारत पिछले कई दशकों से इस लड़ाई में सबसे आगे रहा है। हालांकि आतंकवाद का खतरा लगातार बदल रहा है, लेकिन इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का विरोध करने का हमारा संकल्प अटल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किए जा रहे तमाम प्रयासों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने आतंकवाद को मानवता के लिए गंभीर खतरा बताते हुए इसके सभी स्वरूपों के खिलाफ सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान किए गए 9/11 स्मारक एवं संग्रहालय के दौरे की कुछ झलकियां भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर 9/11 हमलों में जान गंवाने वाले लोगों को याद करना और उनके परिवारों के साथ खड़ा होना पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

महाराष्ट्र के बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे ने मुंबई में गणेशोत्सव से पहले दादर से सावंतवाड़ी जाने वाले कोंकण निवासियों के लिए मोदी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

10 दिनों तक शराब नहीं मिली तो अस्पतालों में भर जाएंगे शराबी', गणेश पूजा में शराब की बिक्री पर रोक से भड़का HC

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र में गणेश उत्सव के दौरान पुणे जिले में 10 दिनों तक शराब की बिक्री पर रोक लगाने के जिला प्रशासन के फैसले पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने सवाल किया कि जब पूरे महाराष्ट्र में ऐसी पाबंदी नहीं लगाई गई तो केवल पुणे को ही इसके लिए क्यों चुना गया? हाईकोर्ट ने प्रशासन से आदेश वापस लेने पर जवाब मांगा है और संकेत दिया कि ऐसा नहीं होने पर अदालत उचित आदेश जारी कर सकती है।

मामला होटल मालिकों और शराब विक्रेताओं के संगठनों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिकाकर्ताओं ने पुणे कलेक्टर के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत 14 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव के दौरान लगातार 10 दिनों तक शराब की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था।

लाइसेंस होने के बावजूद कारोबार रोकना मनमान

चीफ जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि जिन कारोबारियों के पास शराब बेचने का वैध लाइसेंस है, उन्हें 10 दिनों तक अपना व्यवसाय करने से रोकना प्रथम दृष्टया मनमाना प्रतीत होता है।अदालत ने प्रशासन से सवाल किया कि आखिर केवल पुणे जिले को इस प्रतिबंध के लिए चुनने का आधार क्या है। पीठ ने कहा कि राज्य के अन्य जिलों, यहां तक कि मुंबई में भी जब इस तरह की पाबंदी नहीं है तो सिर्फ पुणे में ऐसा आदेश जारी करने का औचित्य समझना मुश्किल है।सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रशासन के रुख पर तीखी टिप्पणी की। पीठ ने पूछा कि सिर्फ पुणे को चुनने के पीछे क्या तर्क है। अदालत ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पुणे के लोगों के लिए एक तरह का कलंक बन सकती है।

प्रधानमंत्री ने आचार्य विनोबा भावे को जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महान समाज सुधारक और गांधीवादी विचारक आचार्य विनोबा भावे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विनोबा भावे का प्रेरक 'जय जगत' का आह्वान हर सीमा से परे था और इसमें मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आचार्य विनोबा भावे ने अपने विभिन्न प्रयासों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए कार्य किया। उन्होंने समानता, सम्मान और सेवा के प्रति विनोबा भावे के अटूट विश्वास को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके विचारों और प्रयासों ने समाज के सबसे अधिक वंचित लोगों को शक्ति प्रदान की। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सामाजिक मंच 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, आचार्य विनोबा भावे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उनका 'जय जगत' का प्रेरक आह्वान हर सीमा से परे था और उसने मानवता को सबसे ऊपर रखा। अपनी विभिन्न कोशिशों के जरिए उन्होंने सभी के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए काम किया। समानता, सम्मान और सेवा में उनके अटूट विश्वास ने सबसे अधिक वंचित लोगों को ताकत दी।आचार्य विनोबा भावे को भारत के प्रमुख गांधीवादी विचारकों और समाज सुधारकों में गिना जाता है। उनका जीवन सामाजिक समानता, सेवा, अहिंसा और वंचित वर्गों के उत्थान के प्रति समर्पित रहा। उनका 'जय जगत' का संदेश विश्वबंधुत्व और समूची मानवता के कल्याण की भावना को अभिव्यक्त करता है।

बाबा रामदेव अब लेकर आए आयुर्वेदिक हुक्का, योग गुरु ने बताए इसके फायदे

नई दिल्ली(ए.)। योग गुरु बाबा रामदेव का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में वह एक ऐसे 'आयुर्वेदिक हुक्के' के बारे में बताते नजर आ रहे हैं, जिसमें तंबाकू या सामान्य फ्लेवर की जगह कुछ आयुर्वेदिक सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। रामदेव ने इसे आयुर्वेद के वात, पित्त और कफ यानी त्रिदोष से जोड़ते हुए दावा किया कि इस तरीके से बंद नाक खोलने और खांसी जैसी परेशानियों में राहत मिल सकती है।

वीडियो में क्या बताया?

बाबा रामदेव के बताए तरीके में मुलेठी, हल्दी, राई, गाय का घी, काकड़ा सिंगी और देसी कपूर जैसी सामग्री का इस्तेमाल करने की बात कही गई है। वीडियो के अनुसार, मुलेठी को थोड़ा कूटकर उसमें गाय का घी मिलाया जाता है। इसके बाद हल्दी और राई डाली जाती है। हुक्के की प्लेट पर कपूर जलाकर उसके ऊपर काकड़ा सिंगी रखने की प्रक्रिया भी बताई गई है।

सोशल मीडिया पर छिड़ी चर्चा

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस 'आयुर्वेदिक हुक्के' को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोग इसे पारंपरिक तंबाकू वाले हुक्के से अलग बता रहे हैं, जबकि कुछ यूजर्स स्वास्थ्य संबंधी दावों को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

बंद नाक और खांसी में राहत का दावा

रामदेव के अनुसार, इस प्रक्रिया के जरिए तैयार धुएं या वाष्प को लेने से बंद नाक खुलने और खांसी में राहत मिल सकती है। उन्होंने इसे वात, पित्त और कफ के संतुलन से भी जोड़ा है। हालांकि, इन दावों को चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित उपचार मानने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है।

सांस की बीमारी में खुद न करें प्रयोग

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, किसी भी तरह के धुएं को सांस के जरिए अंदर लेना फेफड़ों और श्वसन तंत्र के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। खासकर अस्थमा, सांस की बीमारी या लंबे समय से खांसी से परेशान लोगों को बिना डॉक्टर की सलाह के इस तरह का प्रयोग नहीं करना चाहिए। किसी घरेलू या आयुर्वेदिक उपाय को डॉक्टर द्वारा बताए गए उपचार का विकल्प भी नहीं माना जाना चाहिए।

तंबाकू वाले हुक्के से अलग, फिर भी सवाल बरकरार

रामदेव के वीडियो में बताए गए हुक्के में तंबाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाता, इसलिए इसे सामान्य तंबाकू वाले हुक्के से अलग बताया जा रहा है। लेकिन किसी पदार्थ को जलाकर या गर्म करके उसके धुएं को फेफड़ों तक पहुंचाने से होने वाले प्रभाव और इस विशेष तरीके की चिकित्सकीय प्रभावशीलता को लेकर वैज्ञानिक प्रमाणों को अलग से देखना जरूरी है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस 'आयुर्वेदिक हुक्के' को किसी बीमारी का प्रमाणित इलाज मानने के बजाय विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही किसी भी प्रयोग पर विचार करना सुरक्षित होगा।

पति को मां-बाप से अलग करने का दबाव बनाना और बिना वजह बार-बार मायके जाना क्रूरता : हाईकोर्ट

चेन्नई ,(आरएनएस)। वैवाहिक रिश्तों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने एक बेहद अहम और दूरगामी फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई पत्नी यह जानते हुए भी कि उसका पति अपने वृद्ध माता-पिता का इकलौता सहारा है, उसे परिवार से अलग रहने के लिए विवश करती है और बिना किसी ठोस वजह के बार-बार मायके जाकर बैठ जाती है, तो उसका यह आचरण पति के प्रति मानसिक व वैवाहिक क्रूरता (Cruelty) की श्रेणी में आता है। जस्टिस पीटी आशा और जस्टिस एन. माला की खंडपीठ ने इस टिप्पणी के साथ फैमिली कोर्ट द्वारा पति के पक्ष में दिए गए तलाक के डिक्री आदेश को पूरी तरह बरकरार रखा और पत्नी की अपील को खारिज कर दिया।

शादी के कुछ ही महीनों बाद अलग घर का दबाव

मामले के अनुसार, दोनों पक्षों का विवाह जून 2019 में संपन्न हुआ था। पति का आरोप था कि शादी के तुरंत बाद से ही पत्नी का व्यवहार असहयोगात्मक रहा। शादी के महज दो महीने बाद वह अपने मायके चली गई और करीब चार महीने तक ससुराल नहीं लौटी। पति और ससुराल वालों

द्वारा बार-बार मनाने और बुलाने के बावजूद उसने लौटने से साफ मना कर दिया। बाद में उसने यह शर्त रख दी कि वह तभी साथ रहेगी जब पति अपने बुजुर्ग माता-पिता का घर छोड़कर अलग रहेगा। पति अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था और उन पर ही उनकी संपूर्ण देखभाल का जिम्मा था, फिर भी पारिवारिक शांति की खातिर वह अलग किराए के मकान में रहने को राजी हो गया।

अलग रहने के बाद भी नहीं बनी बात, मायके के पास घर लेने की जिद

अलग घर में रहने के बावजूद पत्नी का रवैया नहीं बदला और वह वहां भी महज एक महीना ही टिकी। इसके बाद उसने अपने मायके वालों के घर के बिल्कुल नजदीक नया मकान लेने का नया दबाव बनाना शुरू कर दिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद और गहरा गया, जिसके बाद वह दोबारा ससुराल और पति को छोड़कर अपने मायके चली गई। परेशान होकर पति ने आखिरकार फैमिली कोर्ट में मानसिक क्रूरता के आधार पर विवाह विच्छेद (तलाक) की अर्जी दाखिल की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था।

दहेज प्रताड़ना के आरोप, लेकिन कोर्ट में गवाही से भागी पत्नी

फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची पत्नी ने दलील दी कि ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे, जिसके चलते उन्हें अलग रहने का फैसला लेना पड़ा था। उसने यह भी आरोप लगाया कि बेटी के जन्म के बाद पति उससे मिलने तक नहीं आया और भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) से बचने व दूसरी शादी रचाने के इरादे से तलाक का केस दर्ज किया गया है। हालांकि, कानूनी प्रक्रिया के दौरान पत्नी का यह पक्ष बेहद कमजोर साबित हुआ, क्योंकि उसने फैमिली कोर्ट में न तो कोई ठोस दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए और न ही खुद गवाह के कटघरे में खड़े होकर जिरह (Cross-e&amination) का सामना करने की हिम्मत दिखाई।

मंदिर में बैठकर CM शुभेंदु अधिकारी ने खाई मछली, बागेश्वर बाबा की अपील से छिड़ी बहस को किया दरकिनार

कोलकाता (आरएनएस)। दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहार को लेकर उपजे सियासी और धार्मिक विवाद के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति

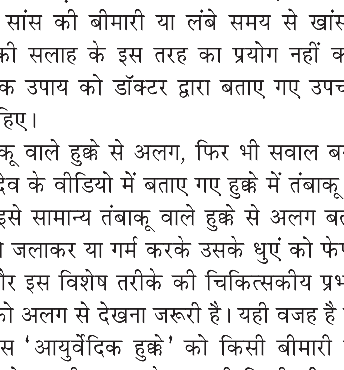

में बड़ा मोड़ सामने आया है। बाबा बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री द्वारा धार्मिक मौकों पर नॉन-वेज खाने वालों को लेकर दिए गए बयान के बाद मचे घमासान को शांत करने के लिए नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी खुद मैदान में उतरे हैं। उन्होंने प्रसिद्ध कालीघाट शक्तिपीठ पहुंचकर मां काली के मंदिर परिसर में जमीन पर बैठकर पारंपरिक मछली का महाभोग ग्रहण किया। उनके इस कदम को बंगाल की अस्मिता और परंपरा के समर्थन से जोड़कर देखा जा रहा है।

धीरेंद्र शास्त्री के बयान से छिड़ा था विवाद

विवाद की शुरुआत तब हुई जब बाबा बागेश्वर यानी धीरेंद्र शास्त्री ने एक बयान में बंगाल के लोगों से दुर्गा पूजा और नवरात्रि के पावन पर्व पर मांसाहार त्यागने की अपील की थी। उन्होंने धार्मिक अवसरों पर मांस का सेवन करने वालों को 'ढोंगी' तक करार दे दिया था। बंगाल की संस्कृति में दुर्गा पूजा और काली पूजा के दौरान मछली और बलि का मांस प्रसाद रूप में ग्रहण करने की सदियों पुरानी परंपरा है। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान के बाद तृणमूल कांग्रेस समेत राज्य के कई वर्गों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया, जिससे यह बहस शाकाहार बनाम मांसाहार की राजनीति में बदल गई।

अमेरिका का एच-1बी वीजा पर एक और झटका, अब नौकरी जाने पर तुरंत छोड़ना होगा देश

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे विदेशी नागरिकों के लिए एक बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने एच-1बी और कुछ अन्य अस्थायी कार्य वीजा धारकों को नौकरी समाप्त होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की रियायती अवधि को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव लागू होने की स्थिति में नौकरी छूटते ही संबंधित विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में रहने का कानूनी आधार खत्म हो सकता है और उसे देश छोड़ना पड़ सकता है।

प्रस्तावित नियम अमेरिकी संघीय रजिस्टर में प्रकाशित किया गया है। इसे लागू करने से पहले 60 दिन तक सार्वजनिक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। इस अवधि में आम नागरिकों, कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों को प्रस्तावित बदलाव पर अपनी राय देने का अवसर मिलेगा।

वर्तमान व्यवस्था के तहत एच-1बी वीजा धारक की नौकरी समाप्त होने के बाद उसे अधिकतम 60 दिन तक अमेरिका में रहने की अनुमति मिलती है। इस दौरान वह नया नियोक्ता खोज सकता है, दूसरी कंपनी से वीजा प्रायोजन हासिल कर सकता है, अपनी वीजा स्थिति में बदलाव के लिए आवेदन कर सकता है या अमेरिका छोड़ने की आवश्यक तैयारियां पूरी कर सकता है।

यदि प्रस्तावित नियम लागू हो जाता है तो नौकरी समाप्त होने के साथ ही यह रियायती अवधि उपलब्ध नहीं रहेगी। इसका सीधा अर्थ है कि जिन विदेशी कर्मचारियों की नौकरी चली जाती है, उन्हें अमेरिका में रहने के लिए तत्काल कोई दूसरा वैध आधार तलाशना होगा। ऐसा नहीं होने पर उन्हें देश छोड़ना पड़ सकता है।

डीएचएस ने माना है कि इस बदलाव से कुछ कंपनियों को अस्थायी व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि विभाग का तर्क है कि इससे प्रभावित पद अमेरिकी श्रमिकों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। विभाग का मानना है कि कंपनियां समान रूप से योग्य अमेरिकी नागरिकों को इन पदों पर नियुक्त कर सकती हैं या अपनी आवश्यकता के अनुसार नए कर्मचारी के लिए आवश्यक याचिका प्रक्रिया पूरी कर सकती हैं।एच-1बी कर्मचारियों को नौकरी जाने के बाद 60 दिन की रियायती अवधि देने की व्यवस्था वर्ष 2017 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य विदेशी कर्मचारियों को अचानक नौकरी समाप्त होने की स्थिति में वैकल्पिक रोजगार तलाशने के लिए समय देना था।

इस अवधि में कर्मचारी नई कंपनी में नौकरी हासिल करने और नया प्रायोजन लेने के अलावा अपनी वीजा स्थिति बदलने की प्रक्रिया भी शुरू कर सकता था। साथ ही उसे घर खाली करने, सामान बेचने, बच्चों की पढ़ाई से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं करने और अमेरिका से बाहर जाने की तैयारी के लिए भी समय मिल जाता था।प्रस्तावित बदलाव केवल एच-1बी वीजा तक सीमित नहीं है। इसके दायरे में कई अन्य अस्थायी कार्य वीजा श्रेणियां भी आ सकती हैं।इनमें एच-1बी1 के तहत आने वाले तकनीकी और कुशल कर्मचारी, सिंगापुर और चिली के नागरिक, एल-1 वीजा के तहत काम करने वाले बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रबंधक और अधिकारी, ओ-1 वीजा के तहत विज्ञान, कला और खेल जैसे क्षेत्रों में असाधारण क्षमता रखने वाले लोग शामिल हैं।

इजरायल के हमले में हमास का शीर्ष कमांडर फराह हामिद ढेर, कई हमलों का था मास्टरमाइंड

गाजा,(आरएनएस)। इजरायल की ओर से गाजा शहर में किए गए एक हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा के शीर्ष कमांडरों में शामिल फराह हामिद मारा गया। इजरायली सुरक्षा एजेंसियों और फिलिस्तीनी संगठन हमास, दोनों ने उसकी मौत की पुष्टि की है। इजरायली अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार को की गई इस कार्रवाई को खुफिया जानकारी के आधार पर अंजाम दिया गया।

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, अभियान को इजरायल पुलिस की विशेष गिदोनियम इकाई, आंतरिक सुरक्षा एजेंसी 'शिन बेत' और इजरायल रक्षा बलों ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। हमले से जुड़ा एक वीडियो भी इंटरनेट माध्यम 'एक्स' पर सामने आया है। इसमें मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को हवाई हमले की चपेट में आते हुए दिखाया गया है।

हामिद की मौत ऐसे समय हुई है, जब गाजा में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष जारी है तथा क्षेत्र में ईरान समर्थित विभिन्न सशस्त्र गुटों के साथ भी तनाव बना हुआ है।

इजरायली आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेत के अनुसार, हामिद हमास की एक विशेष सैन्य इकाई का वरिष्ठ अधिकारी था। उसका प्रमुख दायित्व नए लड़ाकों की भर्ती करना और पश्चिमी तट में हमलों के लिए गतिविधियों का निर्देशन करना था।

इजरायली सुरक्षा अधिकारियों का दावा है कि हामिद की मौत से पश्चिमी तट में हमास के भर्ती और हमले संचालित करने वाले नेटवर्क को बड़ा नुकसान पहुंचा है। हालांकि, ऐसे अभियानों के वास्तविक प्रभाव का आकलन आने वाले समय में ही हो सकेगा।

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, हामिद वर्ष 2000 से 2005 के बीच चले दूसरे इंतिफादा के दौरान सक्रिय 'सिल्वाड सेल' का सदस्य था। इस गुट पर कई घातक गोलीबारी की घटनाओं में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। इजरायल के अनुसार, वर्ष 2011 में एक कैदी अदला-बदली समझौते के तहत हामिद को जेल से रिहा किया गया था। रिहाई के बाद भी वह हमास की सैन्य शाखा से जुड़ा रहा।

प्रधानमंत्री मोदी और जिनपिंग की मुलाकात से पहले बोला चीन-भारत को है पूरा समर्थन

बीजिंग,(आरएनएस)। भारत की मेजबानी में आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत से पहले चीन ने भारत के प्रति सकारात्मक रुख का संकेत दिया है। भारत में चीन के राजदूत शू फेईहॉन्ग ने शुक्रवार को कहा कि चीन ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को अत्यधिक महत्व देता है और इस वर्ष शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए भारत का पूरा समर्थन करता है।

चीनी राजदूत ने सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि चीन ब्रिक्स सहयोग को महत्व देता है और इस वर्ष सफल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने में भारत का समर्थन करता है। चीन की ओर से आया यह बयान ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब शनिवार, 12 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय बैठक होने वाली है।

भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने भी भारत के प्रति चीन की एकजुटता प्रदर्शित की है। चीन के इस सकारात्मक रुख को दोनों देशों के बीच संबंधों में संभावित सुधार के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

भीषण अग्निकांड : दो स्कूलों में लगी आग, 26 छात्रों की मौत; भगदड़ में भी गई कई जानें

कांगो (आरएनएस)। अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में एक घर से शुरू हुई भीषण आग ने पास के दो स्कूलों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 26 छात्रों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। दक्षिण किवु प्रांतीय सरकार के मुताबिक, मृतकों में 19 लड़कियां और 7 लड़के शामिल हैं। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।यह हादसा बकावु शहर में हुआ। स्थानीय प्रशासक मोइसे लुबाला के मुताबिक, आग फुराहा सेकेंडरी स्कूल और उसके पास स्थित उजामा प्राइमरी स्कूल तक फैल गई। आग लगने के दौरान फुराहा सेकेंडरी स्कूल के अंदर कई छात्र फंस गए। कुछ छात्रों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि बाहर निकलने की कोशिश में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। लुबाला ने बताया कि स्कूल से बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था। आग से बचने के लिए कुछ छात्र खिड़कियों से कूदने लगे, जबकि अन्य दरवाजे की ओर भागे। एक साथ बड़ी संख्या में छात्रों के बाहर निकलने की कोशिश के दौरान कई छात्र गिर गए और भीड़ के पैरों तले कुचल गए। फुराहा और उजामा स्कूल के अलग-अलग उम्र के लड़के और लड़कियों को स्कूल यूनिफॉर्म में न्यामुलागिरा BDOM हेल्थ सेंटर ले जाया गया। वहां मौजूद नर्स सिजा जीन-बैप्टिस्ट ने बताया कि घायलों की संख्या इतनी अधिक थी कि मेडिकल स्टाफ के लिए उनका सही आंकड़ा रखना भी मुश्किल हो रहा था। इससे पहले बकावु शहर पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही संगठन रू23 के प्रवक्ता लॉरेंस कन्युका ने 24 छात्रों की मौत की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि 29 घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है। बाद में दक्षिण किवु प्रांतीय सरकार ने मृतकों की संख्या बढ़ाकर 26 कर दी।

सऊदी क्राउन प्रिंस ने हुथियों पर हमलों के लिए डोनाल्ड ट्रंप को किया था फोन

रियाद/वाशिंगटन (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच चौंकाने वाली भू-राजनीतिक खबर सामने आई है। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 2 बार फोन कर यमन के चरमपंथी संगठन हुथियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने और हवाई हमले लॉन्च करने की पुरजोर मांग की थी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मांग को साफ तौर पर खारिज कर दिया है और हुथियों पर सीधे हमले करने से इनकार कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी प्रिंस ने राष्ट्रपति ट्रंप को 2 बार फोन कर हूथियों के खिलाफ हमला करने का आग्रह किया था। हालांकि, ट्रंप ने हमला करने से इनकार कर दिया। 2 अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप प्रशासन की फिलहाल हूथियों के खिलाफ सीधे हस्तक्षेप की योजना नहीं है।

मामले से परिचित लोगों ने यह भी बताया कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर तत्काल समन्वय बैठकों के लिए रियाद भी गए थे।ईरान समर्थित हुथी विद्रोहियों ने वैश्विक व्यापार के प्रमुख चौराहे 'लाल सागर' की घेराबंदी कर रखी है, जिससे वैश्विक आपूर्ति और सऊदी अरब के तेल निर्यात के रूट पर भारी संकट खड़ा हो गया है।

बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यमन में बढ़ते संघर्ष और मध्य-पूर्व के बिगड़ते हालातों पर गंभीर चिंता व्यक्त की, लेकिन वे अमेरिका को सीधे इस जंग में नहीं झोंकना चाहते।

फीचर

बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। उनके दांतों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सही टूथपेस्ट का चुनाव करना अहम होता है। बच्चों के लिए ऐसा टूथपेस्ट चुनें, जो उनके नाजुक दांतों की सुरक्षा करे और उनकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए। कई बार बिना जानकारी के टूथपेस्ट खरीद लिया जाता है, जो सही नहीं होता। इसलिए आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट क्यों जरूरी है

बच्चों के लिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट चुनना बहुत जरूरी होता है। फ्लोराइड दांतों को सडन् से बचाने में मदद करता है और दांतों की बाहरी परत को मजबूत बनाता है।यह दांतों में कैविटी बनने से रोकता है और उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखता है। जब भी बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदें तो यह जरूर जांच लें कि उसमें फ्लोराइड की सही मात्रा हो।

शक्कर रहित टूथपेस्ट का करें चयन

बच्चों के लिए टूथपेस्ट हमेशा ऐसा होना चाहिए, जिसमें शक्कर न हो। शक्कर दांतों की सडन् का मुख्य कारण होती है। अगर टूथपेस्ट में शक्कर होगी तो वह दांतों को साफ करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है।शक्कर रहित टूथपेस्ट दांतों को सुरक्षित रखता है और बच्चों के मसूड़ों को भी दिक्कत से बचाता है। ऐसे टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से बच्चों के दांत लंबे समय तक मजबूत रहते हैं।

बच्चों की पसंद का स्वाद चुनें

बच्चों के लिए टूथपेस्ट का स्वाद भी बहुत मायने रखता है। अगर टूथपेस्ट का स्वाद बच्चों को पसंद आएगा, तो वे ब्रश करने में रुचि दिखाएंगे।यह उनकी दांत साफ करने की आदत को मजबूत बनाएगा। बाजार में कई तरह के फलों और मीठे स्वाद वाले टूथपेस्ट उपलब्ध हैं, जो बच्चों को आकर्षित करते हैं।सही स्वाद वाला टूथपेस्ट चुनने से बच्चों को ब्रश करना मजेदार लगेगा और वे इसे नियमित रूप से करेंगे।

पैकेजिंग पर भी ध्यान दें

बच्चों के टूथपेस्ट की पैकेजिंग पर ध्यान देना भी जरूरी है। पैकेजिंग साफ और बच्चों के लिए इस्तेमाल करने में आसान होनी चाहिए। ऐसी पैकेजिंग चुनें, जिससे बच्चे आसानी से टूथपेस्ट निकाल सकें और खुद ब्रश करना सीख सकें।पैकेजिंग पर लिखी जानकारी को पढ़कर यह सुनिश्चित करें कि टूथपेस्ट में कोई हानिकारक चीज न हो।इसके अलावा बच्चों को आकर्षित करने वाली रंगीन और मजेदार पैकेजिंग भी उनके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है

अगर आपको बच्चों के लिए सही टूथपेस्ट चुनने में कोई दुविधा हो, तो किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।दांतों के डॉक्टर आपकी जरूरतों को समझकर सही विकल्प सुझा सकते हैं। इससे आप गलत टूथपेस्ट खरीदने से बच सकते हैं और आपके बच्चे के दांत स्वस्थ रहेंगे। विशेषज्ञ की राय लेना बच्चों के दांतों की सुरक्षा के लिए एक समझदारी भरा कदम होता है।

रिया चक्रवर्ती पर टीवीएफ का दांव, जॉम्बी फिल्म कॉलेज फेस्ट में दिया सबसे बड़ा मौका

रिया चक्रवर्ती ने द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 का हिस्सा बनकर खूब चर्चा बटोरी। अब वह अपनी अगली परियोजना को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्माण द वायरल फीवर (टीवीएफ) कर रहा है। बताया जा रहा है कि यह एक जॉम्बी फिल्म है, जिसे कॉलेज फेस्ट नाम दिया गया है। इसमें रिया मुख्य किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ पुरव झा होंगे, जो द ट्रेटर्स इंडिया के पहले सीजन का हिस्सा थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, रिया और पुरव कॉलेज फेस्ट में मुख्य किरदार निभाते दिखेंगे।

परियोजना पर बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, रिया और पुरव को कॉलेज फेस्ट में कास्ट किया गया है। यह टीवीएफ द्वारा निर्मित एक जॉम्बी फिल्म है और दोनों अभिनेताओं ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। यह प्रोजेक्ट कॉलेज के माहौल को जॉम्बी शैली के साथ जोड़ता है, जिससे यह आम कैंपस कहानियों से हटकर एक दिलचस्प फिल्म बन जाती है।कॉलेज फेस्ट टीवीएफ की युवा-केंद्रित कहानियों की बढ़ती वेब सीरीज में एक और परियोजना है, जो कॉलेज के परिचित परिवेश में अलौकिक मोड़ लाती है।कहानी कॉलेज छात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक रहस्यमय संक्रमण के कारण जॉम्बी बन जाते हैं और उन्हें अपने कार्यों के परिणाम से जूझना पड़ता है।मशहूर यूट्यूबर आशीष चंचलानी भी इस परियोजना का हिस्सा होंगे।फिलहाल, फिल्म के बारे में अन्य विवरण और इसकी रिलीज तारीख का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

बिग बॉस 20' की माही विज कौन हैं? मॉडलिंग से टेलीविजन तक ऐसा रहा सफर

टेलीविजन की चर्चित अभिनेत्री माही विज ने 'बिग बॉस 20' में प्रतियोगी के रूप में प्रवेश कर एक बार फिर दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। माही को सबसे ज्यादा लोकप्रियता धारावाहिक 'लागी तुझसे लगन' में नकुशा के किरदार से मिली। इस भूमिका ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। हालांकि, माही का मनोरंजन जगत से जुड़ा सफर केवल टेलीविजन तक सीमित नहीं है। मॉडलिंग से लेकर फिल्मों, संगीत वीडियो और विभिन्न रियलिटी कार्यक्रमों तक उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है।

माही विज 'झलक दिखला जा 4', 'नच बलिए 5' और 'खतरों के खिलाड़ी' के पांचवें तथा सातवें संस्करण में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनय के अलावा रियलिटी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी ने उन्हें दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया।माही विज दिल्ली की रहने वाली हैं। वह काफी कम उम्र में मुंबई आ गई थीं। मायानगरी में आने के बाद उन्होंने मॉडलिंग के जरिए अपने करियर की शुरुआत की। मनोरंजन की दुनिया में पहचान बनाने से पहले उन्हें मुंबई में संघर्ष के दौर से भी गुजरना पड़ा।मॉडलिंग के बाद माही ने अभिनय की ओर रुख किया। हिंदी टेलीविजन पर लोकप्रिय होने से पहले उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखा था। उन्होंने एक मलयालम फिल्म के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस तरह फिल्मों में उनकी पहली मौजूदगी हिंदी सिनेमा के बजाय दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में हुई। 2000 के दशक की शुरुआत में माही विज संगीत वीडियो की दुनिया में भी जाना-पहचाना नाम थीं। उस दौर में उनके संगीत वीडियो काफी लोकप्रिय हुए। डीजे अकील के चर्चित रीमिक्स गीत 'तू तू है वही' में उनकी मौजूदगी को उनकी शुरुआती लोकप्रिय प्रस्तुतियों में गिना जाता है।

घर की सफाई को आसान बना सकते हैं ये 5 हैक्स, जरूर आजमाएं

घर की सफाई करना रोजमर्रा का एक जरूरी काम है, लेकिन इसे जल्दी और आसानी से करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। सफाई करते समय अक्सर ज्यादा समय और मेहनत लगती है, जिससे थकावट महसूस होती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से आप अपने घर को कम समय और कम मेहनत में साफ-सुथरा बना सकते हैं।

एक समय में एक ही कमरे की सफाई करें

अक्सर लोग पूरे घर की सफाई एक साथ करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इससे काम और ज्यादा मुश्किल हो जाता है।बेहतर होगा कि आप एक समय में सिर्फ एक कमरे की सफाई करें। जैसे कि किसी एक दिन रसोई साफ करें, दूसरे दिन लिविंग रूम और फिर अगले दिन बेडरूम।इस तरीके से आप हर कमरे को अच्छे से साफ कर पाएंगे और यह काम बोझिल भी नहीं लगेगा।

सफाई करते समय गाने सुनें

सफाई का काम अक्सर बोरियत भरा लगता है, लेकिन इसे मजेदार बनाया जा सकता है। सफाई करते समय अपने पसंदीदा गाने सुनें। इससे आपका ध्यान सफाई पर केंद्रित रहेगा और काम भी जल्दी खत्म होगा।अगर गाने सुनना पसंद नहीं है तो आप मन ही मन कुछ गुनगुना सकते हैं। यह तरीका सफाई को थकावट भरा काम बनने से रोकता है और आपको तरोताजा महसूस कराता है।

सफाई के लिए सही सामान का इस्तेमाल करें

सफाई का काम तभी जल्दी और सही तरीके से होता है जब आपके पास सही सामान हो। झाड़ू, पोछा, और साफ करने के कपड़े जैसे सामान का सही तरीके से इस्तेमाल करें।इसके अलावा अगर आपके पास गीले और सूखे पोछे के लिए अलग-अलग कपड़े हैं, तो सफाई करना और भी आसान हो जाएगा।सफाई के लिए ऐसे स्प्रे और साबुन का इस्तेमाल करें, जो जल्दी गंदगी हटाने में मदद करें।

सफाई को छोटे हिस्सों में बांटें

पूरे घर की सफाई करने के बजाय इसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना ज्यादा बेहतर होता है। जैसे कि पहले फर्नीचर की सफाई करें, फिर फर्श को साफ करें और अंत में धूल हटाएं।इस तरह से आप एक समय में एक काम पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे और सफाई का काम जल्दी खत्म होगा।

इसके अलावा सफाई करते समय हर चीज को उसकी सही जगह पर रखने की आदत डालें, ताकि अगली बार सफाई करना और भी आसान हो।

परिवार के सभी सदस्यों को शामिल करें

घर की सफाई का काम अकेले करने से यह थकावट भरा और समय लेने वाला लग सकता है। इसलिए, घर के सभी सदस्यों को इस काम में शामिल करें। बच्चे भी इस काम में मदद कर सकते हैं, जैसे खिलौनों को सही जगह पर रखना या छोटे-मोटे सामान को साफ करना।

समयबद्ध निराकरण से मिली राहत, जिला प्रशासन के प्रति जताया आभार

मोहला, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनसेवा की मंशा के अनुरूप संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। इसी क्रम में मोहला तहसील अंतर्गत ग्राम पदाटोला निवासी संजय कुमार गोटा की एग्रीस्टैक से संबंधित समस्या का सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से त्वरित निराकरण किया गया।संजय कुमार गोटा ने बताया कि एग्रीस्टैक में उनका मोबाइल नंबर लिंक नहीं होने के कारण उन्हें ओटीपी प्राप्त नहीं हो रहा था। समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई।

श्री गोटा ने मोहला तहसील पहुंचकर तहसीलदार के समक्ष आवश्यक आवेदन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उनका मोबाइल नंबर एग्रीस्टैक में लिंक कर दिया गया, जिससे उनकी समस्या का समाधान हो गया।

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा

जगदलपुर,(आरएनएस)। बस्तर पुलिस ने आम जगह पर चाकू लहराकर गुंडागर्दी और जान से मारने की धमकी देने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल धारदार चाकू भी बरामद कर जब्त किया गया है। कार्रवाई थाना बोधघाट क्षेत्र में की गई।

पुलिस के अनुसार, कुम्हारपारा निवासी कुरसो सोना ने थाना बोधघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 10 सितंबर की सुबह उसके ऑटो के पीछे कुम्हारपारा गुरु घासीदास वार्ड निवासी रोनित बघेल उर्फ खरगोश नशा कर रहा था। प्रार्थी ने उसे वहां नशा करने से मना किया तो आरोपी भड़क गया। उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और बांस के डंडे से मारकर प्रार्थी को चोट पहुंचाई। आरोप है कि इसके बाद युवक ने अपने पास रखा धारदार चाकू निकाल लिया और उसे लहराते हुए प्रार्थी को जान से मारने की धमकी देकर डराया। मामले की रिपोर्ट पर थाना बोधघाट पुलिस ने अपराध दर्ज कर तत्काल आरोपी की तलाश शुरू की।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार, संचालक-मैनेजर गिरफ्तार

रायपुर(आरएनएस)। राजधानी में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार संचालित किए जाने का पुलिस ने खुलासा किया है। सिविल लाइन और देवेंद्र नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 10 सितंबर को देवेन्द्र नगर क्षेत्र स्थित इशवा लग्जरी स्पा सेंटर में छापेमारी की। जांच के दौरान पुलिस को आपत्तिजनक वस्तुएं मिलीं। पूछताछ में सामने आया कि स्पा सेंटर के संचालक और मैनेजर द्वारा कथित तौर पर दूसरे राज्यों से युवतियों को बुलाकर देह व्यापार कराया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में एसीपी स्नेहिल साहू के नेतृत्व में सिविल लाइन और देवेंद्र नगर थाने की टीम ने की। स्पा सेंटर की जांच के दौरान पुलिस ने वहां मौजूद गतिविधियों और सामान की जांच की। पूछताछ में स्पा में काम करने वाली युवतियों ने भी संचालक और मैनेजर पर उनसे जबरन देह व्यापार कराने का आरोप लगाया। मामले में पुलिस ने स्पा सेंटर के संचालक हरविंदर सिंग ग्रोवर, निवासी टिकरापारा और मैनेजर मुकेश कुमार वर्मा, निवासी भिलाई-3 को गिरफ्तार किया है।

अपराधियों पर कसेगा शिकंजा, त्योहारों से पहले पुलिस अलर्ट

जशपुर (आरएनएस)। आगामी त्योहारों को देखते हुए जशपुर पुलिस ने कानून-व्यवस्था को लेकर अभी से तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए हैं। डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने 10 सितंबर को पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में अपराध समीक्षा बैठक लेकर जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों को लंबित अपराधों और पुराने मामलों के शत-प्रतिशत निराकरण के साथ ही अपराधियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

बैठक में अनुभागवार लंबित अपराध, चालान, शिकायत, मर्ग और अन्य प्रकरणों की समीक्षा की गई। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि विवेचना में लापरवाही और अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी तथा लंबित और स्थायी वारंटों की तामीली में तेजी लाने को कहा गया। बेहतर कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने तथा लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

त्योहारों में दिखेगी पुलिस की मौजूदगी

आगामी त्योहारों के दौरान संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की पहचान कर सुरक्षा व्यवस्था पहले से तैयार करने को कहा गया। पर्याप्त बल की तैनाती, नियमित पेट्रोलिंग, पैदल मार्च और भीड़ नियंत्रण के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। सरप्राइज चेकिंग, कॉम्बिंग पेट्रोलिंग और संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।गुंडा-बदमाशों और आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर नियमित निगरानी रखते हुए उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने को कहा गया।

जल संरक्षण और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जल संरक्षण केवल वर्तमान की जरूरत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा विषय है। प्रदेश में जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण और हर परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जल संचय जनभागीदारी अभियान और जल जीवन मिशन के कार्यों को मिशन मोड में पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जल संसाधन विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक में जल संचय जनभागीदारी अभियान की जिलेवार प्रगति और जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की।

मार्च 2028 तक जल संरचनाओं के कार्य पूरे करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और निर्धारित लक्ष्यों के साथ भविष्य की जल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जल संरचनाओं के कार्य मार्च 2028 तक पूर्ण किए जाएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो और सभी कार्य समय-सीमा में पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कोरिया, धमतरी और राजनांदगांव सहित बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन जिलों की कार्यप्रणाली और अनुभवों को अन्य जिलों में भी लागू किया जाए, ताकि पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के प्रयासों को गति मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर इसे व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए। उन्होंने सभी जिलों के नोटिफाइड नक्शे तैयार करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। अभियान की मुख्य सचिव स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी।

डर और लालच के जाल से बचें, साइबर ठगी से रहें सतर्क

रायपुर।, (आरएनएस)। साइबर अपराधी लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए डर और लालच को हथियार बना रहे हैं। कभी फ्री गिफ्ट और भारी छूट का झांसा दिया जाता है तो कभी पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसी के नाम पर डराकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी दी जाती है। जागरूकता की कमी के कारण लोग इन जालसाजों के झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं।

साइबर ठगी से बचने के लिए लोगों को लालच भरे ऑफर से सावधान रहने की सलाह दी गई है। मुफ्त उपहार, भारी छूट या अन्य अवास्तविक ऑफर देने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए। इसी तरह पुलिस या किसी सरकारी अधिकारी के नाम से आने वाले डरावने फोन और संदेशों से घबराने के बजाय उनकी सत्यता की जांच करनी चाहिए। किसी भी सरकारी एजेंसी द्वारा फोन पर डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई नहीं की जाती।निवेश के नाम पर ठगी से भी लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। घर बैठे कम समय में अधिक कमाई और गारंटीड रिटर्न का लालच देने वाली योजनाओं में पैसा लगाने से पहले पूरी तरह जांच-पड़ताल करें।

नेशनल लोक अदालत 12 को

कोरबा (आरएनएस)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन आगामी 12 सितंबर 2026 को किया जाएगा। इसे लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा आम नागरिकों को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दिया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा ने आमजनों से अपील की है कि वे नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए आगे आएं। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के अलावा प्री-लिटिगेशन मामलों का भी पक्षकारों की आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर निराकरण किया जाता है। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलने के साथ ही समय और धन की बचत होती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा जिले के नागरिकों को लोक अदालत के इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा है। प्राधिकरण ने आमजनों से अपील की है कि वे 12 सितंबर 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में अपने लंबित अथवा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के समाधान के लिए आगे आएं और आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के माध्यम से विवादों का निराकरण कराएं ।''

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की चेतावनी, गर्मी-उमस से राहत

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधियां फिर बढ़ गई हैं। गुरुवार को राजधानी समेत रायपुर संभाग के कई जगहों पर अच्छी बारिश हुई। रायपुर के अलावा, दुर्ग, गरियाबंद, धमतरी और जगदलपुर में अच्छी बारिश हुई।दिन में हुई बारिश के कारण गर्मी से थोड़ी राहत मिली।तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 11 और 12 सितंबर को रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में आरेंज और रेड अलर्ट रहेगा। 14 सितंबर तक प्रदेश में छिटपुट बारिश होती रहेगी। राजधानी रायपुर में गुरुवार को दोपहर अच्छी बारिश हुई। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली।शाम तक रुक-रुककर बारिश होती रही। रायपुर से लगे हुए आउटर के इलाकों में भी बारिश हुई। पिछले 24 घंटे के दौरान कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। सबसे ज्यादा पखांजूर में 53 मिमी, सोनहत में 39.4 मिमी, मालखरौदा में 37.0 मिमी बारिश हुई।

मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने थामा कांग्रेस का दामन

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े पुत्र और मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रायपुर निवास में आयोजित कार्यक्रम में ढाल दास का कांग्रेस में स्वागत किया गया। भूपेश बघेल ने उन्हें कांग्रेस का गमछा पहनाकर पार्टी में शामिल किया। ढाल दास के कांग्रेस प्रवेश के बाद प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

अवैध फ्लाई ऐश डम्पिंग के विरुद्ध पर्यावरण संरक्षण मंडल की कार्रवाई

एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, जमनीपाली पर 15 लाख रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय कोरबा द्वारा फ्लाई ऐश के अवैध परिवहन एवं डम्पिंग के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मेसर्स एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, जमनीपाली, कोरबा पर 15 लाख रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई है।

क्षेत्रीय अधिकारी प्रसन्ना सोनकर ने बताया कि कार्यालय को दूरभाष के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर 09 सितम्बर 2026 की रात्रि में रूमगरा हवाई पट्टी चैक के निकट गुप्ता होटल के पास स्थित भूमि पर फ्लाई ऐश की अवैध डम्पिंग करते हुए वाहनों को पकड़ा गया। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त वाहनों में मेसर्स एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, जमनीपाली, कोरबा के धनरास राखड़ बांध से फ्लाई ऐश लोड कर संबंधित स्थल पर अवैध रूप से डम्पिंग की जा रही थी।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा तत्काल मेसर्स एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, जमनीपाली के अधिकारियों को अवैध डम्पिंग के संबंध में सूचित करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। जांच के दौरान उक्त स्थल पर डम्प की गई फ्लाई ऐश की मात्रा के आधार पर एन.टी.पी.सी. लिमिटेड के विरुद्ध 15 लाख रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई है।

खेल समाचार

हॉकी एशिया कप: भारतीय टीम ने बनाई फाइनल में जगह, मलेशिया को 3-1 से दी शिकस्त

मोकी(ए.)। भारतीय जूनियर पुरुष टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के फाइनल का टिकट कटा लिया है। शुक्रवार को पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 3-1 से हराया। कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर अनमोल एक्का ने एक बार फिर टीम की अगुवाई की। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल किए, जिससे टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई और स्कोरिंग चार्ट में उनकी शीर्ष स्थिति और मजबूत हो गई। इसके साथ ही गोलकीपर और 'प्लेयर ऑफ द मैच' विवेक लाकड़ा का प्रदर्शन भी शानदार रहा। उन्होंने कई बेहतरीन बचाव किए, जिसमें एक पेनल्टी स्ट्रोक को रोकना भी शामिल था, जिससे भारत मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखने में सफल रहा।डिफेंडिंग चैंपियन भारत, जो लगातार चौथी और कुल छठी बार खिताब जीतने की कोशिश कर रहा है, अब दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और साउथ कोरिया के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। अजीत यादव ने डीप डिफेंस से खेली गई लंबी गेंदों का चतुराई से पीछा करते हुए शुरुआती दो मिनटों में ही 2 बार गोल करने के करीब पहुंचे। भारत को जल्द ही तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन मलेशियाई गोलकीपर अमस्यार मोहम्मद अदीब ने कुछ अच्छे बचाव करते हुए भारत को गोल करने से रोके रखा।शुरुआती पांच मिनटों में मलेशिया को गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा और वे मुख्य रूप से बचाव करने तक ही सीमित रहे। उनका पहला प्रभावी आक्रामक प्रयास 11वें मिनट में हुआ जब वे भारत के 23-यार्ड क्षेत्र में पहुंचे, लेकिन भारतीय डिफेंस सतर्क रहा और सर्कल में घुसने से पहले ही उन्हें रोक दिया। 12वें मिनट में एक टर्नओवर (गेंद का पाला बदलना) से भारत को लगभग पहला गोल मिल ही गया था, लेकिन वे इस मौके को

भुना नहीं पाए। मलेशिया क्वार्टर के आखिरी मिनट में गोल के करीब पहुंचा, लेकिन सर्कल के ऊपरी हिस्से से किए गए प्रयास में न तो ताकत थी और न ही सही दिशा। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ।

दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत ने आखिरकार गतिरोध तोड़ा और 16वें मिनट में उन्हें अपना चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला। पहली बैटरी पर तैनात कप्तान अनमोल ने एक जोरदार नीचे की ओर फ्लिक मारा, जिसने अमस्यार को उनकी दाईं ओर छकाते हुए बोर्ड से टकराकर गोल में जगह बनाई और भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

मलेशिया ने तुरंत जवाब दिया और 17वें मिनट में लकरा को शानदार बचाव करने पर मजबूर किया। साथ ही उन्हें अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, हालांकि भारत के पहले रशर ने मलेशियाई खिलाड़ियों को रोकने के लिए एक अहम ब्लॉक किया। भारत मौके बनाता रहा। 23वें मिनट में मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर पर डिफ्लेक्शन की कोशिश की गई, लेकिन गेंद मलेशियाई गोल के ऊपर से निकल गई।

हाफ टाइम से ठीक पहले भारत ने काउंटर अटैक पर अपनी बढ़त लगभग दोगुनी कर ली थी, लेकिन मुश्किल एंगल से लगाया गया शॉट गोल के सामने से निकल गया। भारत 1-0 की बढ़त के साथ ब्रेक पर गया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारतीय गोलकीपर लकरा ने शानदार प्रदर्शन किया। 34वें मिनट में उन्होंने लगातार दो बेहतरीन बचाव किए और उसके कुछ देर बाद एक और अहम सेव करते हुए मलेशिया की हर कोशिश को नाकाम कर दिया।36वें मिनट में मनमीत सिंह राय को यलो कार्ड मिला, जिसके कारण भारत को कुछ समय तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बाद 39वें मिनट में मलेशिया को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इस मौके का फायदा नहीं उठा सके और गोल करने से चूक गए। मलेशिया बराबरी करने के लिए एरियल बॉल्स (हवा में उछालकर मारी गई गेंदों) का सहारा लेता रहा, लेकिन भारत का डिफेंस मजबूत बना रहा। 41वें मिनट में प्रभदीप सिंह को यलो कार्ड दिखाया गया, जिससे भारत फिर से 10 खिलाड़ियों के साथ रह गया। 45वें मिनट में मलेशिया को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन उनकी वेरिएशन एक ऑफ-टारगेट स्लैप-पुश पर खत्म हुई। आखिरकार चौथे क्वार्टर में भारत को बड़ी राहत मिली। 51वें मिनट में भारत ने मलेशिया के सर्कल में हमला किया, लेकिन पहली कोशिश में गेंद मलेशियाई डिफेंडर से टकराकर निकल गई, हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने तुरंत एक और हमला किया और इस बार मौका नहीं गंवाया।

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन (ए.)। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई।

हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया।

बोडो/ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्टुफ्ट को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया।

ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए।

जीत के बाद केन ने कहा, हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।

सीपीएल 2026: डी कॉक की मदद से बारबाडोस ने सेंट किट्स को 4 विकेट से हराया

ब्रिजटाउन (ए.)। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 32वां मुकाबला केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। लो स्कोरिंग रहे इस मुकाबले को बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने 4 विकेट से जीता।बारबाडोस ट्राइडेंट्स को जीत के लिए 119 रन का लक्ष्य मिला था। विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक की 43 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से खेली गई नाबाद 44 रन की पारी की बदौलत बारबाडोस ने 18 ओवर में 6 विकेट पर 120 रन बनाकर मैच 4 विकेट से अपने नाम किया। डी कॉक के साथ डेनियल सैम्स 4 गेंदों पर 9 रन बनाकर नाबाद रहे। डी कॉक की पारी अहम रही। उन्होंने एक छोर संभालकर रखा। शरफेन रदरफोर्ड ने 23, जकारी कॉर्टर ने 13 और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 19 रन बनाए। सेंट किट्स के लिए कप्तान जेसन होल्डर ने शानदार गेंदबाजी की, लेकिन उनका प्रयास टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था। होल्डर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। नसीम शाह ने भी बहुत किफायती गेंदबाजी की। शाह ने 4 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिए। वकार सालामखेली ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 विकेट लिए। वानिंदु हसरंगा महंगे रहे। तीन

ओवर में 35 रन लुटाने के बाद भी उन्हें विकेट नहीं मिला। इसके पहले, बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स 20 ओवर में मात्र 118 रन पर सिमट गई। टीम के लिए सर्वाधिक 45 रन वानिंदु हसरंगा ने बनाए। हसरंगा ने 25 गेंदों की अपनी पारी में 3 छक्के और 4 चौके लगाए। इसके अलावा कप्तान जेसन होल्डर ने 24 और एलिक अथांजे ने 16 रन बनाए।सेंट किट्स की तरफ से कप्तान क्रिस ग्रीन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स और गुडाकेश मोती ने 2-2 विकेट लिए।बारबाडोस इस जीत के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर चली गई है। बारबडोस ने 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की 10वें मैच में यह छठी हार थी। टीम 7 अंक के साथ छठे नंबर पर है। लीग कुल 7 टीमें हैं।

यूएस ओपन : राजीव राम ने पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में हार के बाद लिया संन्यास

न्यूयॉर्क,(ए.)। पूर्व डबल्स वर्ल्ड नंबर 1 राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी को छठी सीड वाली जर्मन जोड़ी ने यूएस ओपन 2026 के डबल्स के सेमीफाइनल में हराया। इस हार के साथ ही राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कहा। 2021 से 2023 तक हर साल यूएस ओपन डबल्स का खिताब जीतने वाली राम और सैलिसबरी की जोड़ी को केविन क्राविएट्ज और टिम पुएट्ज से 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली और यूएस ओपन टूर्नामेंट के निदेशक एरिक बुटोरैक ने राजीव राम को उनके बेहतरीन करियर के लिए बधाई दी। बता दें कि टिली, इलिनोइस यूनिवर्सिटी में राम के कॉलेज कोच हैं, जबकि एरिक उनके पूर्व डबल्स पार्टनर रहे हैं।

ब्रेक ने मेरी गेंदबाजी को प्रभावित किया, दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद मोहम्मद सिराज का बयान

चेन्नई(ए.)। दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन और तिलक वर्मा की कप्तानी वाली साउथ जोन के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। ईस्ट जोन विजेता रही। साउथ जोन की तरफ से खेल रहे

भारतीय टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस मुकाबले में प्रभावी नहीं रहे। मोहम्मद सिराज ने मैच में कुल 41ओवर गेंदबाजी की और महज 1 विकेट ले पाए। इस दौरान उन्होंने 187 रन लुटाए। सिराज के गेंदों की गति भी 125-130 किलोमीटर/घंटा के बीच रही। भारतीय टेस्ट टीम के नियमित और प्रभावी तेज गेंदबाज सिराज का यह प्रदर्शन निराशाजनक और क्रिकेट विश्लेषकों और फैंस के लिए चौंकाने वाला था। सिराज का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले उनको मिले 2 महीने के ब्रेक ने उनकी गेंदबाजी को प्रभावित किया है।

यूएस ओपन : सबालेंका ने पेगुला को हराकर फाइनल में जगह बनाई, लगातार तीसरे खिताब से एक जीत दूर

न्यूयॉर्क (ए.)। टॉप सीड एरिना सबालेंका लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने से मात्र एक जीत दूर हैं। टॉप सीड एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में तीसरी सीड अमेरिकी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के फाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में एरिना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। सबालेंका ने अपने शानदार सर्विस गेम और जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक से पेगुला को कभी भी मुकाबले में आने ही नहीं दिया। हार के साथ ही पेगुला का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना टूट गया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने ज्यादा कुछ नहीं दिया, शानदार सर्व करते हुए मैच को 12वें गेम तक सर्व पर बनाए रखा, जिसमें सबालेंका 6-5 से आगे थीं। सबालेंका के जोरदार ग्राउंडस्ट्रोक के बाद पेगुला 0-40 से पीछे हो गईं और अंततः पहला सेट एरिना के नाम रहा। उन्होंने दूसरे सेट में भी मोमेंटम बनाए रखा, पेगुला के संदिग्ध दूसरे सर्व पर अटैक किया और कॉर्नर में लेजर फोरहैंड मारकर 3-1 की बढ़त के लिए जरूरी ब्रेक हासिल किया। आठवें गेम तक बाकी सेट सर्व पर ही चला, जब पेगुला ने मैच पॉइंट देने के लिए लंबा रिटर्न मारा। सबालेंका ने एक और जबरदस्त फोरहैंड मारकर जीत पक्की कर दी। साबालेंका ने अपनी जीत में सात एस और 29 विनर लगाए। टूर्नामेंट में सबालेंका का अपना सबसे अच्छा प्रदर्श

जीत के बाद सबालेंका ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसा टेनिस खेल पाई। मैं जीतने के लिए बहुत बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह चाहती थी।

सांसद, सिवनी मालवा विधायक और कलेक्टर पर बिफरे ग्रामीण

महिलाओं और बालिकाओं ने कहा हम 40 किलोमीटर पैदल चल कर आए हैं कलेक्टर दो कदम नहीं आ सकते ? 3 किलोमीटर की सड़क के सुधार के लिए कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं ग्रामीण

नर्मदापुरम (निप्र)। कूल्हड़ा नानपा सड़क की जर्जर हालत को लेकर पिछले दिनों से आंदोलन कर रहे सैंकड़ों ग्रामीणजनों का बड़ा जत्था शुक्रवार को 40 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए शाम को करीब 7 बजे कलेक्टर गेट पर आए और सड़क के लिए ठोस लिखित आश्वासन की मांग कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कह दिया था कि हम जो ज्ञापन लेकर आए हैं वह सिर्फ कलेकटर को देंगे। डिप्टी कलेक्टर एसडीएम और अन्य अधिकारी ज्ञापन लेने की बात करते रहे लेकिन ग्रामीण जनों ने साफ मना कर दिया। करीब एक घंटे तक गेट पर अपनी बात कहने के बाद हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। उसके बाद 15 मिनिट का समय तक करते हुए कहा गया कि यदि कलेक्टर नहीं आए तो फिर ज्ञापन किसी को नहीं दिया जाएगा। और यह आंदोलन अनिश्चित कालीन हो जाएगा। जब कलेक्टर नहीं आए तो महिलाओं और बालिकाओं के साथ ही आंदोलन में आए ग्रामीणों ने आक्रोश जाहिर करते हुए कहा कि जब हम 40 किलोमीटर दूर से आ सकते हैं तो कलेक्टर को दो कदम आने में किसका डर लग रहा है? आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान नेता राकेश गौर ने कहा कि हमारी छोटी सी मांग की पूर्ति नहीं हर रहा शासन प्रशासन कुंभकरण की नींद सो रहा है। शासन प्रशासन हमारे साथ छलावा कर रहा है।

विधायक और सांसद पर कसा तंज

आंदोलन में शामिल ग्रामीणों ने कहा कि जिसे हम वोट देते हैं। वह हमारी मांग के प्रति संवेदलनशील नहीं हैं। सांसद और सिवनी मालवा विधायक ने हमारी मांग और हमारे आंदोलन पर ध्यान ही नहीं दिया। इसलिए हमें 40 किलोमीटर पैदल चलकर आना पड़ा।

कुंभकरण की नींद सोया है शासन प्रशासन-राकेश गौर

रोड नहीं तो वोट नहीं

ग्रामीण जन पिछले दिनों से यही बात कर रहे हैं कि जिसे हम वोट देते हैं वे हमारी चिंता नहीं करते और जो प्रशासन कहता है सारेकाम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो तो हमारी समस्या हल नहीं हो रही है तो हम अब रोड नहीं तो वोट नहीं देने के लिए सहमत हो गए हैं।

खूब लगाए नारे

आंदोलनकारी ग्रामीणजनों अपनी मांग के समर्थन में जमकर नारे लगाए पूरे मार्ग पर भी नारे लगते आए। जिस भी ग्राम के पास से निकले उनका स्वागत किया गया।

मौजूद रहे प्रसानिक अधिकारी पुलिस बल

धरना स्थल पर ग्रामीणों के आने से करीब तीन घंटे पूर्व से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तथा प्रसानिक अधिकारी कलेक्टर गेट पर मौजूद रहे।

बडी संख्या में आई नारी शक्ति

समस्या ग्रस्त क्षेत्र से 10 वर्ष की बालिका सलोनी सहित 70 वर्ष के वरिष्ठ नागरिक और बड़ी संख्या में नारी शक्ति आंदोलन में शामिल हुई हैं।

जोश खरोश से सराबोर ग्रामीणजन

अपनी मांग को लेकर ग्रामीण जनों में भारी जोश खरोश देखा गया। इतनी दूरी से पैदल चलकर आने के बाद भी उन्होंने पूरे जोश के साथ नारे लगाए।

ग्रामीण नेताओं ने किया समर्थन

इस आंदोलन का समर्थन करने के लिए जिला पंचायत जनपद पंचायत सरपंच सहित अन्य अनेक पदाधिकारी आए जिन्होंने सरकार को चेताया कि ग्रामीण जनों की जायज मांग है। 3 किलोमीटर की सड़क के गडडे नहीं सुधर सकते तो फिर ऐसा शासन प्रशासन किस काम का?

रात्रि में बनाई दाल बाटी

महिलाओं और सभी ग्रामीणों ने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक हम यहीं पर रहेंगे। धरना स्थल पर ही रात्रि में ग्रामीणों ने दाल बाटी बनाना शुरू कर दिया था।

नर्मदा जी में अर्पित किया ज्ञापन

अपनी मांग पर अड़े ग्रामीणों ने कहा कि जब प्रशासन हमारी मांग के लिए संवेदनशील नहीं है तो हमें ऐसे प्रशासन को ज्ञापन नहीं देना। अब हम मां नर्मदा को ही ज्ञापन अर्पित करते हुए प्रार्थना करते हैं कि ऐसे प्रशासन को सदबुद्धि दें।

हमारी सड़क नहीं सुधर सकती रेत खदान घोषित हो सकती है

ग्रामीणों ने कहा कि इतने दिनों से हम सड़क के लिए आंदोलन कर रहे हैं उसके लिए प्रशासन को समय नहीं है लेकिन रेत खदान घोषित करने के लिए समय है।

आरटीओ की एम्बुलेंस एवं बसों पर कारर्वाई, दो बसें जब्त

एम्बुलेंस संचालकों को मरीजों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि नहीं लेने की दी हिदायत

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशों के परिपालन में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रमोद कापसे द्वारा एम्बुलेंस एवं यात्री बसों की सघन जांच की गई। कार्रवाई के तहत जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम परिसर के आसपास रात्रि में औचक निरीक्षण कर एम्बुलेंस की जांच की गई।निरीक्षण के दौरान आरटीओ द्वारा एम्बुलेंस संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि मरीजों एवं उनके परिजनों से निर्धारित राशि से अधिक शुल्क नहीं लिया जाए। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली एम्बुलेंस सेवा मानवीय दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान एक एम्बुलेंस का फिटनेस प्रमाण-पत्र वैध नहीं पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई। संबंधित संचालक को बिना वैध फिटनेस के एम्बुलेंस का संचालन नहीं करने के निर्देश दिए गए।आरटीओ द्वारा बस स्टैंड का भी औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान यात्री बसों में अग्निशामक यंत्र, मेडिकल बॉक्स, इमरजेंसी गेट तथा वैध दस्तावेजों की उपलब्धता एवं स्थिति की जांच की गई। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बस संचालकों को सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों एवं परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान एक बस का टैक्स जमा नहीं होना तथा एक अन्य बस द्वारा वैध परमिट प्रस्तुत नहीं किया जाना पाया गया। नियमों के उल्लंघन पर दोनों बसों को मौके पर जब्त किया गया।

त्रिस्तरीय पंचायत उप-चुनावः 29 सितंबर को वोटिंग

नर्मदापुरम (निप्र)। आपका एक वोट आपके गांव के विकास की दिशा तय करता है, चाहे पंच का चुनाव हो अथवा सरपंच, जनपद व जिला पंचायत सदस्य को चुना जाना हो। इसके लिए आपके जिले में हो रहे उपनिर्वाचन में 29 सितंबर को अपने मतदान केंद्र पर जरूर पहुंचें। जिम्मेदारी के साथ अपनी ग्रामीण सरकार चुनें और स्थानीय विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दें। यह बात ब्रांड एम्बेसेडर सारिका घारू ने कही, वे मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के कमिश्नर मनोज कुमार श्रीवास्तव तथा सचिव दिनेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन मे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कर रही हैं।सारिका ने बताया कि मध्य प्रदेश के 55 जिलों में पंच के लिये 4,090 सरपंच के लिये 110 जनपद सदस्य के लिये 28 एवं जिला पंचायत सदस्य के 07 पदों के लिए उप निर्वाचन होने जा रहा है । इसमें पंच पद के लिए मतदान मतपत्रों से होगा, जबकि सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के पदों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, 13 प्रकरण दर्ज

75 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा एवं 375 किलोग्राम लहान जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, निर्माण एवं संग्रहण के विरुद्ध अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा जिले के सभी वृत्त क्षेत्रों में सघन जांच एवं कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 13 प्रकरण कायम किए गए, जिसमें 2 आरोपियों को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान 75 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा एवं 375 किलोग्राम लहान जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 52 हजार 500 रुपये आंकी गई है। अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई के साथ ही आबकारी विभाग द्वारा जिले में संचालित मदिरा दुकानों का भी सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर 15 विभागीय प्रकरण कायम किए गए हैं। विभाग द्वारा मदिरा दुकानों में निर्धारित नियमों एवं शर्तों के पालन की नियमित रूप से जांच की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऐसा प्रशासन किस काम का जो संभाग मुख्यालय की यातायात व्यवस्था नहीं सुधार सकता ?

हर दिन लगता है जाम परेशान होते हैं नागरिक, जबावदार मौन, समस्या हल करेगा कौन ?

नर्मदापुरम (निप्र)। संभाग मुख्यालय के नागरिक कह रहे हैं कि मोटी मोटी तनखा पाने वाले अधिकारियों वाला प्रशासन किस काम का जो मुख्यालय की यातायात व्यवस्था को नहीं सुधार सकता। तथाकथित वहीआईपी मार्ग हो सतरस्ता मार्ग हो या फिर नर्मदा तट जाने वाले मार्ग हो सभी मार्ग पर हर दिन जाम की नौबत आ रही है। लोगों को अकारण परेशान होना पडता है। जाम के कारण वाहनों में पेट्रोल डीजल बेमतलब जलता है। लोगों का समय नष्ट होता है। परेशानी होती है। लेकिन वेशर्मों को कोई शर्म नहीं आती।

सड़कों पर हाथ ठेले

शहर में हर कहीं सड़कों पर ही हाथ ठेले खड़े रहते हैं। जिन्हें सड़कों से कुछ दूर करने वाले कोई नहीं है। तथाकथित अधिकारी अपनी गाडियों में अवैधानिक रूप से हूटर लगाकर तथा अपने पद का रोब दिखाते हुए वाहन के अगले हिस्से पर अपना पद लिखकर रूतबा बताते हुए सड़कों से गुजरते रहते हैं। लेकिन उनको आम जनता की तकलीफ से कोई लेना देना नहीं।

कहीं भी खड़े रहते हैं आटो

एक बड़ी समस्या शहर में आटो भी हैं यह आटो शहर के सभी चोराहों पर कहीं भी खड़े रहते हैं जिससे भी यातायात व्यवस्था खराब होती है। कहीं भी आटो स्टेंड बने हुए हैं।

पार्किंग की बीमारी लाइलाज

मुख्यालय पर पार्किंग की बीमारी लाइलाज बनी हुई है। कहीं भी वाहन खड़े रहते हैं जिससे यातायात व्यवस्था बिगडती है।

कोई मसीहा का इंतजार

शहर की सड़क की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कोई मसीहा का इंतजार संभाग मुख्यालय का शहर कर रहा है। न जाने कब और कौन मसीहा आएगा?

बाल श्रम रोकथाम के लिए मीनाक्षी चौक क्षेत्र में संयुक्त जन-जागरूकता अभियान

संस्थानों में लगाए गए बाल श्रम रोकथाम संबंधी स्टीकर, नियोजकों को कानून के प्रावधानों की दी जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार बाल श्रम की पहचान एवं विमुक्ति की कार्रवाई के उद्देश्य से शुक्रवार को नर्मदापुरम शहर के मीनाक्षी चौक स्थित विभिन्न संस्थानों में संयुक्त जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व श्रम विभाग द्वारा किया गया, जिसमें पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहयोग किया।अभियान के दौरान विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कर नियोजकों एवं कर्मचारियों को बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई। संस्थानों में बाल श्रम रोकथाम संबंधी स्टीकर लगाए गए तथा नियोजकों को बाल एवं किशोर श्रमिकों के नियोजन से संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया।निरीक्षण के दौरान बताया गया कि 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों का किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजन पूर्णत: प्रतिबंधित है। इसी प्रकार 14 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों को खतरनाक श्रेणी के कार्यों में नियोजित करना भी कानूनन अपराध है। इनमें खदानों, ज्वलनशील पदार्थों, विस्फोटकों तथा अन्य परिसंकटमय प्रक्रियाओं से संबंधित कार्य शामिल हैं।

श्रम निरीक्षक श्रीमती ज्योति पी.ए. ने बताया कि किसी भी संस्थान में बालक का नियोजन तथा किशोर श्रमिकों का खतरनाक कार्यों में नियोजन संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है।

जनता और प्रशासन के बीच सीधे संवाद से मजबूत होता है जनविश्वासः पूर्व विस अध्यक्ष एवं विधायक डॉ शर्मा

जनकल्याणकारी योजनाओं से सशक्त हो रहा समाज, अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा लाभ : सांसद श्रीमती माया नारोलिया

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार 11 सितंबर को जन संवाद शिविर आयोजित किया गया। अभियान के तहत सप्ताह में एक दिन पूरा प्रशासन फील्ड में सक्रिय रहते हुए नागरिकों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद करता है तथा उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। जन संवाद शिविर के दौरान आमजन को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं अभियानों की जानकारी दी गई। साथ ही क्षेत्र के युवा उद्यमियों, इनफ्लुएंसर्स एवं युवाओं से संवाद कर उनके अनुभव, सुझाव एवं विचार साझा किए गए। सांसद एवं विधायकगण द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। शिविर के तहत लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत 5 हितग्राहियों को, कॉलेज छात्रवृत्ति के तहत 2 हितग्राहियों को एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की 5 हितग्राहियों को योजना के लाभ वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित जन संवाद शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि शासन की योजनाओं से वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग प्राप्त कर उन्होंने अपने स्वयं के उद्यम स्थापित किए और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत श्री जायसवाल, अनुज पटेल एवं रोहित चौकसे ने अपने-अपने उद्यम प्रारंभ करने की प्रक्रिया, शासन से प्राप्त सहयोग तथा उद्यमों से होने वाली आय के संबंध में उपस्थित नागरिकों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग से उन्हें स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिला तथा वे रोजगार के साथ-साथ आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं।

इसी प्रकार उद्योग विकास अनुदान योजना से लाभान्वित मोहित वर्मा ने राइस मिल, अब्दुल अजीज ने कृषि उपकरण तथा अतुल गौर ने इंजीनियर वर्क्स उद्योग स्थापित करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि शासकीय योजनाओं से मिले सहयोग ने उन्हें अपने स्वरोजगार के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण मदद की। उद्यमियों ने अन्य नागरिकों को भी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (PMFME) के तहत लाभान्वित उद्यमियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। अखिलेश खंडेलवाल ने मसाला-आटा उद्योग, रतना चौधरी ने बेकरी इकाई तथा धर्मेंद्र साध ने आटा एवं मसाला उद्योग की स्थापना की जानकारी दी। उन्होंने योजना के माध्यम से प्राप्त लाभ, उद्यम स्थापना की प्रक्रिया तथा अपने व्यवसाय से जुड़ी गतिविधियों के बारे में उपस्थित नागरिकों को जानकारी दी।उद्यमियों ने कहा कि शासकीय योजनाओं के माध्यम से छोटे स्तर पर व्यवसाय प्रारंभ करने वाले लोगों को आर्थिक सहयोग एवं मार्गदर्शन मिल रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं तथा नागरिकों में स्वरोजगार एवं उद्यमिता के प्रति रुचि बढ़ रही है।

सिवनी मालवा क्षेत्र के 42 वन खंडों को आरक्षित वन घोषित करने की प्रक्रिया तेज

नर्मदापुरम (निप्र)। तहसील सिवनी मालवा अंतर्गत आने वाले 42 वन खंडों को संरक्षित वन श्रेणी से आरक्षित वन घोषित किए जाने के संबंध में आज जनपद सभाकक्ष सिवनी मालवा में एक महत्वपूर्ण वन व्यवस्थापन बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा विजय राय ने की। इस दौरान वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शोभित जोशी (IFS) विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में आरक्षित वन घोषित करने की प्रक्रिया को पारदर्शी, विवाद रहित और समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। एसडीएम विजय राय ने निर्देश दिए कि 42 वन खंडों के राजस्व व वन अभिलेखों, नक्शों और सीमाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए।

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग निर्माण मुख्य जबलपुर, खुली निविदा (सिंगल पैकेट प्रणाली)

मुख्य अभियंता/प्रोक्योरमेंट, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर द्वारा तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना संख्या CPCWCR–04–2026 दिनांक 10.09.2026 के विरुद्ध ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा बंद होने की तिथि 05.10.2026 को 15:00 बजे होगी। निविदाकर्ता केवल निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ प्रस्तुत कर सकेंगे। उपर्युक्त निविदा के विरुद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा प्राप्त होने वाला कोई भी मैनुअल ऑफर अनदेखा कर दिया जाएगा। निविदा निर्धारित तिथि एवं समय पर खोली जाएगी। **एनआईटी संख्या :** CPCWCR-04-2026 दिनांकः 10.09.2026 **कार्य का नाम एवं स्थान :** मध्य प्रदेश राज्य में भोपाल मंडल के इटारसी–बीना 4वीं लाइन परियोजना के संबंध में वन भूमि के लिए वन एवं वन्यजीव स्वीकृतियों हेतु सुविधा प्रदान करना, जिसमें समय–समय पर संशोधित वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 तथा लागू नियमों, दिशा–निर्देशों, अधिसूचनाओं और MoEFCC/सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार वन विचलन प्रस्ताव तैयार करना एवं प्रस्तुत करनाः पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (भारत सरकार) से चरण–। एवं चरण–II वन स्वीकृति प्राप्त करनाः वृक्ष कटाई हेतु राज्य बन विभाग से अनुमति प्राप्त करनाः तथा वन्यजीव और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की स्वीकृतियाँ प्राप्त करना। कार्य की अनुमानित लागत (रू) : 74,61,957.00, **निविदा दस्तावेज की लागत (रू) :** 0.00, **अर्नेस्ट मनी/बयाना राशि (रू) :** 1,49,200.00, **पूर्णता अवधि (माह) :** 15 माह मानसून सहित, **ई–निविदा बंद एवं खोलने की तिथि/समय :** 05.10.2026 को 15:00 बजे बंद तथा 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी, निविदाकर्ताओं को अपनी बोली IREPS वेबसाइट के माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in को नियमित रूप से देखते रहें। इस निविदा के लिए निविदा प्रपत्र के अनुसार न्यूनतम पात्रता मानदंड लागू होंगे।

हस्ता

उप मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट) मुख्या/निर्माण, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com